डाक पंजीयन नं. AD -326/2021-2023

website:www.aadhuniksamachar.com

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Download From Google Play Adhunik Samachar

वर्ष -09 अंक -275, पृष्ठ- 8, (प्रयागराज ,मंगलवार, 16,जनवरी, 2024), मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के पहले मंदिर स्वच्छता अभियान शुरू

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के पहले भाजपा ने देश भर के मंदिरों में सफाई अभियान शुरू किया है। इस सिलसिले में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दिल्ली के करोलबाग स्थित गुरू रविदास मंदिर में साफ-सफाई की। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा तक एक हफ्ते यह सफाई अभियान चलेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

ने प्राण प्रतिष्ठा से पहले पूरे देश में मंदिरों और उसके परिसर में व्यापक सफाई अभियान चलाने का आह्वान किया था। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान के अनुरूप भाजपा ने पूरे देश में मंदिरों में स्वच्छता अभियान चलाने का विस्तृत कार्यक्रम तैयार किया है। इसके तहत पार्टी के सभी सांसदों विधायकों और कार्यकर्ताओं को अपने आस पड़ोस के मंदिरों की सफाई में जुटने के लिए कहा गया है ध्यान देने की बात है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्राण प्रतिष्ठा से पहले पूरे देश में मंदिरों और उसके परिसर में व्यापक सफाई अभियान चलाने का आह्वान किया था।

भाजपा ने बिहारियों के साथ किया दुर्व्यवहार, क्या राहुल दिला पाएंगे न्याय

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने रविवार को कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को राहुल गांधी की 'रीब्रांडिंग और रीपैकेजिंग' यात्रा बताया। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के बाद कांग्रेस सभी चुनाव हार गई। यह देखना दिलचस्प होगा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा के बाद वे क्या खो देंगे। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने रविवार को कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को राहुल गांधी की रीब्रांडिंग और रीपैकेजिंग यात्रा बताया। उन्होंने पूछा कि अगर वे न्याय के बारे में बात कर रहे हैं तो चूंकि यात्रा बिहार से होकर गुजरेगी तो क्या राहुल गांधी उन बिहारियों और उत्तर प्रदेश के लोगों को न्याय दिलाएंगे जिनके साथ डीएमके नेताओं ने दुर्व्यवहार किया।

मैं इसकी कोई गारंटी नहीं दे सकता मालदीव विवाद पर विदेश मंत्री जयशंकर ने तोड़ी चुप्पी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नागपुर। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मालदीव के साथ चल रहे विवाद पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। जयशंकर ने कहा कि इसकी गारंटी नहीं दी जा सकती कि हर देश हर समय भारत का समर्थन करेगा या उससे हमारा समर्थन करेंगे। नागपुर में टाउनहॉल बैठक में बोलते हुए जयशंकर ने मालदीव के साथ हालिया मतभेद के बारे में पूछे जाने पर कहा कि राजनीति में मैं गारंटी नहीं दे सकता कि हर देश हमारा समर्थन करेगा। विदेश मंत्री ने कहा

सहमत होगा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मालदीव के साथ चल रहे विवाद पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। मालदीव के तीन नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां पोस्ट करने और उनकी हालिया लक्षद्वीप यात्रा का मजाक बनाने पर ये बयान आया है। जयशंकर ने कहा कि मैं कोई गारंटी नहीं दे सकता कि सभी देश कि हमने जो पिछले 10 वर्षों में लोगों से संबंध बनाए हैं, उसमें हमें बहुत सफलता मिली है और कई देशों से संबंध मजबूत हुए है। जयशंकर ने राजनीतिक संबंधों में उतार-चढ़ाव के बावजूद लोगों के बीच सकारात्मक भावनाओं को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए वैश्विक स्तर पर मजबूत संबंध बनाने के लिए पिछले एक दशक में भारत के प्रयासों पर प्रकाश डाला।

प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को पीएम-जनमन के तहत एक लाख लाभार्थियों को जारी करेंगे पहली किस्त

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के एक लाख लाभार्थियों को पहली किस्त जारी करेंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी पीएम-जनमन के लाभाथिर्यों से भी बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के एक लाख लाभार्थियों को पहली किस्त जारी करेंगे। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने 15 नवंबर

2023 को जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर अंतिम छोर पर मौजूद अंतिम व्यक्ति को सशक्त बनाने के उद्देश्य से पीएम-जनमन की शुरुआत की। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने 15 नवंबर, 2023 को जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर अंतिम छोर पर मौजूद अंतिम व्यक्ति को सशक्त बनाने के उद्देश्य से पीएम-जनमन की शुरुआत की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि पीएम-जनमन के तहत सरकार आदिवासी समूहों और आदिम जनजातियों तक पहुंचेगी लगभग 24,000 करोड़ रुपये के बजट के साथ पीएम-जनमन नौ मंत्रालयों के माध्यम से 11 अहम हस्तक्षेपों पर केंद्रित है।

'हम लोगों के मन की बात सुनना चाहते हैं', देश को नया विजन देने के एलान के साथ राहुल ने शुरू की भारत जोड़ो न्याय यात्रा

(आधुनिक समाचार सेवा)

इंफाल। मणिपुर के थौबल से भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि इसकी जरूरत इसलिए पड़ी, क्योंकि देश बड़े पैमाने पर अन्याय के दौर से गुजर रहा है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि यात्रा से समानता, भाईचारे और सद्भाव पर आधारित भारत का ष्टिकोण सामने आएगा यात्रा के दौरान बातचीत से यह दृष्टिकोण उभरेगा। इसमें पूर्व शुरू हुई न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने देश की जनता के सामने बराबरी और भाईचारे के

नफरतहिंसा और एकाधिकार के लिए कोई जगह नहीं होगी।उन्होंने कहा कि इस यात्रा के माध्यम से कांग्रेस लोगों के मन की बात सुनना चाहती हैऔर उनके दर्द को समझना चाहती है।चुनाव से साथ विकास का नया विजन पेश करने का भी एलान किया। यात्रा के दौरान बातचीत से यह दृष्टिकोण उभरेगा। इसमें नफरत, हिंसा और एकाधिकार के लिए कोई जगह नहीं होगी।

दोनों के लिए फायदे का सौदा', भारत में टेस्ला प्लांट को लेकर यूएसआईएसपीएफ सीईओ मुकेश अघी ने क्या कहा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भारतीय मार्केट में टेस्ला की एंट्री को लेकर चर्चा हो रही है। अटकलें लगाई जा रही है कि

गुजरात में टेस्ला की प्लांट लग सकती है। इसी बीच आज (14 जनवरी) को यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम के अध्यक्ष मुकेश अघी ने रविवार को कहा कि अगर टेस्ला भारतीय मार्केट में एंट्री करती है तो यह दोनों देशों के लिए बेहतर होगा मुकेश अघी ने बताया कि मुझे लगता है कि टेस्ला का होना भारत के लिए भी अच्छा है क्योंकि वास्तव में यह सिर्फ ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) के बारे में नहीं है। एक टेस्ला कार में लगभग 2000 चिप्स लगते हैं। इससे देश में चिप विनिर्माण को भी प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।पिछले साल जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टेस्ला के सीईओ एलन मस्क से मुलाकात की थी टेस्ला के आने से देश में चिप विनिर्माण का एक पारिस्थितिकी तंत्र तैयार होगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि चीन में बाजार को लेकर चुनौतियों की वजह से अमेरिकी कंपनियां अपना उत्पादन भारत में ला रही हैं। वहीं, टेस्ला के पास व्यापार का एक अच्छा मौका भी है मुकेश अघी ने बताया,मुझे लगता है कि टेस्ला का होना भारत के लिए भी अच्छा है, क्योंकि वास्तव में यह सिर्फ ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) के बारे में नहीं है। एक टेस्ला कार में लगभग 2000 चिप्स लगते हैं। इससे देश में चिप विनिर्माण को भी प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।ठ मुकेश अघी कंपनी का उदाहरण भी दिया, जिसका भारत में आईफोन 16 का उत्पादन काफी बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि तीन साल पहले एप्पल कंपनी भारत में कोई उत्पादन नहीं करती थी। अगले साल,16 (उत्पादन) का 25 प्रतिशत भारत में ही बनाया जाएगा। इसलिए, मुझे लगता है धीरे-धीरे कंपनियां अपना उत्पादन भारत ले जा रहे हैं। यह केवल आपूर्ति श्रृंखला के बारे में नहीं है, बल्कि बढ़ते भारतीय बाजार का लाभ उठाने के बारे में भी है। पिछले साल जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टेस्ला के सीईओ एलन मस्क से मुलाकात की और उन्हें भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और तेजी से बढ़ते वाणिज्यिक अंतरिक्ष क्षेत्र में निवेश के अवसर तलाशने के लिए आमंत्रित किया था बैठक के बाद मस्क ने कहा था कि वह भारत के भविष्य को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के किसी भी बड़े देश की तुलना में भारत में अधिक संभावनाएं हैं।

देश की सीमाओं पर सेना पूरी तरह मुस्तैद' जनरल मनोज पांडे बोले- खतरे का मुकाबला करने के लिए हर एक जवान प्रतिबद्ध

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सीमा विवाद के बीच सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने रविवार को कहा कि भारतीय सेना अपनी सीमाओं पर पूरी तरह से मुस्तैद है और हर कीमत पर देश की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए तैयार है। सेना दिवस की पूर्व संध्या पर सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने कहा कि भारतीय सेना किसी भी सुरक्षा खतरा का मुकाबला करने के लिए अटूट संकल्प और प्रतिबद्धता के साथ तैयार है। सेना का हर एक जवान सुरक्षा की दृष्टि से देश के लिए किसी भी खतरे का मुकाबला करने के लिए एक अटूट संकल्प के साथ पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। सेना दिवस की पूर्व संध्या पर उन्होंने कहा कि भारतीय सेना किसी भी सुरक्षा खतरा का मुकाबला करने के लिए अटूट संकल्प और प्रतिबद्धता के साथ तैयार है। मालूम हो कि सेना प्रमुख का यह बयान चीन के साथ पूर्वी लद्दाख में तीन साल से जारी गतिरोध के बीच आया है। सेना का हर एक जवान सुरक्षा की दृष्टि से देश के लिए किसी भी खतरे का मुकाबला करने के लिए एक अटूट संकल्प के साथ पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। अपने एक संदेश में उन्होंने कहा कि हम सीमाओं पर मजबूत रुख बनाए हुए हैं और हर कीमत पर अपनी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए तैयार हैं। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान का नाम लिए बगैर कहा कि भारतीय सेना अन्य सुरक्षा बलों के साथ मिलकर पेशेवर दृष्टिकोण के साथ जम्मू-कश्मीर में छद्म युद्ध से निपट रही है। इस बार का सेना दिवस परेड सोमवार को लखनऊ में आयोजित होगी। मालूम हो कि सेना दिवस हर साल 15 जनवरी को पहले भारतीय कमांडर इन चीफ थल सेना फील्ड मार्शल केएम करियप्पा की उपलब्धियों की याद में मनाया जाता है। के एम करियप्पा ने 1949 में अंतिम ब्रिटिश कमांडर-इन-चीफ जनरल फ्रैंसिस रॉय बुचर से भारतीय सेना की कमान संभाली थी, और स्वतंत्रता के बाद भारतीय सेना के पहले कमांडर-इन-चीफ बने थे।

कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा सिर्फ छलावा', अनुराग ठाकुर बोले- अविश्वास के कारण ही बड़े नेताओं ने छोड़ी पार्टी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार को कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को महज छलावा करार दिया और बोले कि इसके वरिष्ठ नेताओं को ही न्याय नहीं मिल रहा है और वे दूसरी पाटिर्यों में शामिल हो रहे हैं। एक के बाद एक बड़ा नेता कांग्रेस छोड़ रहा है। ठाकुर ने कपिल सिब्बल, गुलाम नबी आजाद, हिमंत बिस्वा सरमा, हार्दिक पटेल, ज्योतिरादित्य सिंधिया, आरपीएन सिंह और सुनील जाखड़ जैसे नेताओं के कांग्रेस से बाहर जाने का जिक्र किया। अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस की न्याय यात्रा एक धोखा है। राहुल गांधी और सोनिया गांधी लोगों को न्याय देने की बात करते हैं लेकिन हकीकत यह है कि कांग्रेस नेता खुद न्याय से वंचित हैं। ऐसे नेताओं की एक लंबी फेहरिस्त है जिन्होंने कांग्रेस छोड़ दी है क्योंकि उन्हें पार्टी में ही न्याय नहीं मिला। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोगों ने पीएम मोदी पर विश्वास जताया है। ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस की न्याय यात्रा

एक धोखा है। राहुल गांधी और सोनिया गांधी लोगों को न्याय देने की बात करते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि कांग्रेस नेता खुद न्याय से वंचित हैं। ऐसे नेताओं की एक लंबी फेहरिस्त है जिन्होंने कांग्रेस छोड़ दी है क्योंकि उन्हें पार्टी में ही न्याय नहीं मिला। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अपना विश्वास जताया है और उनके साथ जुड़ने के इच्छुक हैं।विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए पर कटाक्ष करते हुए ठाकुर ने कहा कि यह गठबंधन नहीं बल्कि मनोरंजन है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में मिली हार के बाद आज सहयोगी दल भी कांग्रेस के साथ गठबंधन करने से कतरा रहे हैं। डूबते जहाज पर कोई सवारी नहीं करना चाहता। कांग्रेस स्वयं तो डूबी ही है, अपने साथ अन्य दलों को भी डुबो रही है। आगे बोले कि एक तरफ बंगाल में ममता बनर्जी सीटें देने को तैयार नहीं हैं तो दूसरी तरफ नीतीश कुमार संयोजक बनने को तैयार नहीं। शरद पवार पल्ला झाड़ रहे हैं और जब मल्लिकार्जुन खरगे का नाम आया तो गांधी परिवार तैयार नहीं है। यही नहीं, अनुराग ने कहा कि कुछ दल केवल राजनीतिक मंशा से श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का विरोध कर रहे हैं और निमंत्रण भी स्वीकार नहीं कर रहे हैं। यह आस्था व सनातन का कार्यक्रम है, इसलिए किसी को भी श्रीराम मंदिर के निर्माण को लेकर इस प्रकार का व्यवहार नहीं करना चाहिए। कांग्रेस ऐसा करके अपना हिंदू विरोधी चेहरा सामने ला रही है।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर एण्ड सेफ्टी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

फायर सेफ्टी मैनेजमेन्ट कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन इंजीनियर, सिस्टम सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इण्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी मैनेजमेन्ट के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

महानिदेशक
अग्निशमन सुरक्षा एवं आपात सेवा
उत्तर प्रदेश

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

!! मौसी मां को अर्पित-मौसी मां को समर्पित !!

स्व० श्रीमती चन्द्रकान्ता (आंटी मां)

संस्थापक सदस्य ''दी जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसियेशन''

मेरी आंटी-मां मेरी गुरु
एक अभेद्य कवच
जिन्होंने हमेशा सत्य के राह पर चलना सिखाया।
चाहे, राह जितनी भी कठिन हो।
सभी को मान देना,प्यार देना सिखाया।
अन्याय के सामने कभी सर ना झुके ये भी सिखाया।
परिस्थिति जैसी भी हो हमेशा मुस्कुराते रहना सिखाया।

ऐसी वीरांगना, जो खुद लड़ी मृत्यु से। अंतिम दम तक सर उठाए...मुस्कुराते हुए। सारे जहां से अच्छी, ऐसी मेरी आंटी-मां!

!! कार्यक्रम !!

दिनांक 16 जनवरी, शाम 04:00 बजे से पधार कर प्रसाद ग्रहण कर, हमे कृतार्थ करें।
स्थान- सी 41 यू पी एस आई डी सी आधुनिक पब्लिशिंग एवं गेस्ट हाउस औद्योगिक क्षेत्र नैनी, प्रयागराज।

॥पुत्र-पुत्रवधू॥
डा0 दीपक अरोरा, आरती अरोरा
डा0 पुनीत अरोरा, शिवानी अरोरा
हेमन्त चावला, वीरा चावला
खुशवन्त चावला, उमा चावला
नीलेश चावला, निधि चावला
सन्देश चावला, निधी पी चावला

॥पुत्री दमाद॥
विजेता चर्तुवेदी, विकास चर्तुवेदी
सोनिया भसीन, राजीव भसीन

॥दत्तकपुत्र॥
राजेश अरोरा
जनसम्पर्क अधिकारी आधुनिक समाचार

॥परिवार सदस्यगण॥
श्रीमती कुसुम चर्तुवेदी, श्री विजयशंकर चर्तुवेदी
श्रीमती उषा चावला, श्री सुभाषचन्द्र चावला
श्रीमती कुसुम चावला, श्री सुरेन्द्र चावला
श्रीमती सीमा अरोरा, नीलान्जना अरोरा, रिया अरोरा
मानवी अरोरा, सृष्टि अरोरा,साक्षी अरोरा, अमीशी अरोरा।

आरपीएफ और जीआरपी ने डॉग स्क्वायड के साथ स्टेशन व ट्रेनों में की चेकिंग

(आधुनिक समाचार सेवा)

अयोध्या। अयोध्या में प्रस्तावित प्राण प्रतिष्ठा कार्यकम, 26 जनवरी और माघ मेला के मद्देनजर आरपीएफ व जीआरपी ने स्थानीय एरिया में डॉग स्क्वायड और एचएचएमडी से सघन चेकिंग एवं जागरूकता अभियान गया। इस दौरान विस्फोटक सामग्री या ज्वलनशील पदार्थ दिखने पर, अभियान में कोई संदिग्ध वस्तु व व्यक्ति नहीं पाया गया। पुलिस ने यात्रियों को जागरूक होकर यात्रा करने की अपील की। कहा कि कोई भी संदिग्ध व्यक्ति दिखाई पड़ने पर

रेलवे स्टेशन मिर्जापुर पर चेकिंग अभियान चलाया। स्टेशन परिसर, पार्सल कार्यालय, वेटिंग हॉल,ट्रेनों में चेकिंग की। प्लेटफार्म पर मौजूद यात्रियों के सामान की तलाशी ली। दौराने चेकिंग अभियान में कोई संदिग्ध नहीं मिला। रेलवे स्टेशन के स्टेशन एरिया, प्लेटफार्म, वेटिंग हॉल, पार्सल कार्यालय, सर्कुलेटिंग संदिग्धों के दिखने पर तुरंत आरपीएफ या जीआरपी को सूचित करने हेतु जागरूक किया गया। साथ ही ज्वलनशील पदार्थ के साथ यात्रा न करने, किसी अनजान व्यक्ति से कोई भी वस्तु नहीं लेने,जहरखुरानी के प्रति जागरूक किया गया। मिर्जापुर स्टेशन पर जीआरपी-आरपीएफ के चेकिंग तत्काल रेलवे पुलिस या आरपीएफ को सूचना दें। यात्रियों को रेलवे हेल्पलाइन 139 तथा 112 पुलिस हेल्प लाइन के बारे में यात्रियों को जानकारी दी। चेकिंग अभियान में आरपीएफ निरीक्षक दिनेश कुमार, जीआरपी प्रभारी अनिल कुमार त्रिपाठी, डॉग स्क्वायड समेत कई अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

योगी राज मे खुले आम शराब के पैग पर पैग माघ मेला वाहन स्टैंड छलकाये जा रहे है माघ मेला प्रशासन मूक दर्शक बन देख रहा तमाशा

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। प्रयागराज में माघ मेला में बांगड़ धर्मशाला के पास मेला प्रशासन के वाहन स्टैंड के पास

माघ मेला प्रशासन व पुलिस की मौजूदगी मे शराब के जाम छलकाये जा रहे है जिससे मेला प्रशासन पर सवाल खड़ा हो गया है। एक तरफ जहां सरकार माघ मेले में श्रद्धालुओं एवं साधु संतों को लेकर एकदम सख्त है तो वहीं रविवार को दोपहर करीब साढ़े तीन बजे के आस-पास बांगड़ धर्मशाला के ठीक सामने मेला प्रशासन वाहन स्टैंड के पास कुछ लोग खुलेआम शराब की जाम छलका रहे हैं। मेला क्षेत्र में ट्रैफिक पुलिस बूथ के पीछे बाटी-चोखा की दुकान पर खुलेआम कुछ शराबियों द्वारा शराब के जाम छलकाये जा रहे है जिस पर मेला प्रशासन की नजर नहीं पड़ रही है। जो चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों का कहना है कि योगी सरकार साधु, संतों एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर मेले में व्यवस्था चाक-चौबंद बंद की गई है। हजारों पुलिस के जवान तैनात किए गए हैं। लेकिन इस प्रकार के नशेडियों के प्रति जिम्मेदारों की नजर नहीं पड़ रही है। जो चर्चा का विषय बना हुआ है। वही प्रयाग राज मेला प्रशासन द्वारा माघ मेला मे अराजक तत्वों के विरुद्ध कार्यवाही करने के बजाये मेला स्थल पर आने वाली नई संस्थाओं के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है । आपको बताते चले कि उ. प्र. के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा माघ मेला मे आने वाली नई व पुरानी संस्थाओ को समान रूप से आवश्यक सुविधा प्रदान किये जाने के कड़े दिशा निर्देश जारी हुए है जबकि इसके विपरीत प्रयाग राज मेला अधिकारी द्वारा तुगलकी फरमान जारी किया गया है कि जो भी नई संस्थाएं आई है उन्हें जमीन नहीं दी जाएगी जबकि रोजाना मेले मे आने वाले श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगा रहता है लेकिन माघ मेला प्रशासन के ज़िम्मेदारों के कानों मे जूँ तक नहीं रेंग रही है । फिलहाल प्रयागराज आगामी 2025 मे होने वाले माघ मेले की तैयारियों मे लगा हुआ है लेकिन इस बार मेले मे क्या विशेष होगा इसे अभी समय पर छोड़ना होगा। वही इस वर्ष 2024 होने वाले माघ मेले की तैयारियों को लेकर योगी सरकार द्वारा दिशा निर्देश जारी कर दिए गए है लेकिन इसके बावजूद इस वर्ष होने वाले प्रयाग राज मेले कोई बदलाओ देखने को नहीं मिल रहा है त् अब सवाल यह उठता है कि मेले की आधी अधूरी तैयारियों के साथ दूर दराज़ से हुए काल्पवासियों का क्या होगा जो रोज़ाना प्रयागराज मेला प्रशासन कार्यालय मे चक्कर काटते हुए नजर आ रहे है त् वही पूरा मेला ख़त्म हो जाता है मगर लोगों की परेशानिया ख़त्म होने का नाम नहीं ले रही है वही मेला अधिकारी दयानन्द न तो फोन उठाते है और न ही जनता से बात करते या मिलते है इस तरह से प्रयाग राज मेले की इन भ्रष्ट अधिकारियों द्वारा नियमों की धज्जियाँ उड़ाई जा रही है।

संगम पर आस्था का उमड़ा जन सैलाब, प्रथम पुण्य की डुबकी से माघ मेला का आरंभ

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। सिर पर गठरी, हाथों में झोला और हाथों में समूह के संकेतक के रूप में ध्वज लिए श्रद्धालुओं का रेला सोमवार को संगम पर उमड़ पड़ा। थरथराती

सुबह भी आस्था के कदमों को नहीं डिगा सकी। लोग अपनों का हाथ थामे लपकते हुए बढ़ते रहे। संगम जाने वाले सभी मार्गों पर लंबा कारवां चल पड़ा। मेला प्रशासन ने सुबह 10 बजे तक 8.70 श्रद्धालुओं के डुबकी लगाने का दावा किया। प्रथम पुण्य की डुबकी के साथ ही 54 दिवसीय माघ मेले का आरंभ हो गया। छह डिग्री तापमान के बीच मकर संक्रांति पर गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में सोमवार को लाखों श्रद्धालुओं ने पुण्य की डुबकी लगाई। प्रशासन का दावा है कि सुबह 10 बजे तक आठ लाख 70 हजार से अधिक श्रद्धालु सनन कर चुके हैं। यह आंकड़ा 15 लाख के पार जाने का अनुमान है। भोर में करीब तीन बजे सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करते ही सनन का सिलसिला शुरू हो गया। मकर संक्रांति पर गंगा, यमुना, अदृश्य सरस्वती की लहरों में पुण्य की डुबकी लगाने का उत्साह देखते बना। संतों की टोलियां भजन-कीर्तन करते हुए निकलीं, तो श्रद्धालु जय श्रीराम और मां गंगा के जयकारे लगाते हुए संगम पर पहुंच रहे थे। मकर संक्रांति को लेकर दूसरे राज्यों से निकले श्रद्धालुओं ने रविवार की भोर से ही संगम में डुबकी लगानी शुरू कर दी। भोर में आस्था पथ पर भक्ति की लहरें हिलोरें मारने लगीं। भगवान सूर्य के उत्तरायण होने का लोगों ने इंतजार नहीं किया। कोहरे के बीच कंपकंपी छुड़ाती सुबह मेंकोहरे की वजह से संगम क्षेत्र में कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। बावजूद इसके संगम सनन के लिए सिर पर गठरी लिए निकले श्रद्धालुओं का तांता लग गया। काली मार्ग हो या फिर त्रिवेणी मार्ग। हर तरफ से पड़ोसी राज्य के अलावा पूर्वांचल के गांवों, कस्बों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी की पावन धारा में गोता लगाना शुरू कर दिया। संगम नोज पर सर्वाधिक भीड़ रही। कोई लेटते हुए पहुंच रहा था तो कोई ढोल-नगाड़े के साथ नाचते-कीर्तन करते हुए।

143 पाइपों सहित 21 अभियुक्तों को गिरफ्तार कीया

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज/बारा। बारा थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत पिपरांव से हर घर जल योजना के चोरी गए 220 पाइपों में से एसओजी

यमुनापार एवं सर्विलांस की संयुक्त टीम मामले का खुलासा कर दिया है। पुलिस टीम द्वारा अंतर्राज्यीय चोरों के गैंग को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की है पिपरांव ग्राम पंचायत में हर घर जल योजना के पाइप रखें थे।बाइस दिसंबर 2023 को 220 पाइप चोरी हो गए थे। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर अलग अलग स्थानों से रविवार को 143 पाइप बरामद किया है। एसएचओ बारा विनोद कुमार के अनुसार गिरफ्तार किए गए अभियुक्त गण सुनील वर्मा पुत्र राधे श्याम वर्मा निवासी राजा जी पुरम लखनऊ, वरुण विक्रम सिंह पुत्र उमा शंकर सिंह निवासी विनय नगर, कृष्ण नगर लखनऊ, जुनैद अली हाशमी पुत्र इरफान अली हाशमी निवासी बेलदारी लेन लालबाग हजरतगंज , लखनऊ , हिमांशु सिंह पुत्र राम नारायण सिंह निवासी मुरैनी, महराजगंज, रायबरेली,मनोज गुप्ता पुत्र राम दास गुप्ता निवासी छकानू थाना सिविल लाइन दबाऊं हाल पता हैबतपुर शिवम इन्कलेव सपेरा बस्ती, गौतम बुद्ध नगर, राजा पटेल पुत्र दया राम पटेल निवासी ओंग थाना ओंग फतेहपुर, कुलदीप महेश्वरी पुत्र लालाराम निवासी सिलेरी, सहसवान, दबाऊं हाल पता बी - 1,277 गली नंबर 12 न्यू अशोक नगर नई दिल्ली, राजेश चौधरी पुत्र बैजनाथ चौधरी निवासी नोएडा सेक्टर 5 गली नंबर 2, जिला गौतमबुद्ध नगर, विकास पुत्र जगतपाल सिंह निवासी बिलांदापुर, थाना रौजा शाहजहांपुर, विकास पंवार पुत्र अनिल कुमार निवासी दोघट, दोघट, बागपत, अनूप तिवारी पुत्र रामानंद तिवारी निवासी लक्ष्मण पुर, थाना मिर्जापुर, जिला शाहजहांपुर, शंभू चौधरी पुत्र बैजनाथ चौधरी निवासी बासुकी बिहारी, थाना मधवापुर, जिला मधुबनी, बिहार, दुर्गेश शर्मा पुत्र राम किशोर शर्मा निवासी पूरनमऊ, मल्लावां, हरदोई।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में पिता की उस अर्जी को खारिज कर दिया

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। जिसमें उसने अविवाहित बेटी को गुजारा भत्ता देने के मजिस्ट्रेट के आदेश को चुनौती दी

थी। अविवाहित बेटी भी गुजारा भत्ता पाने की हकदार, हाईकोर्ट ने खारिज की पिता याचिकाइलाहाबाद हाईकोर्ट ने अविवाहित बेटियों के पक्ष में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत अविवाहित बेटी भी गुजारा भत्ता पाने की हकदार है। वह चाहे किसी भी धर्म, आयु और रोजगार से जुड़ी हो। यह फैसला न्यायमूर्ति ज्योत्सना शर्मा की अदालत ने एक पिता की ओर से देवरिया की निचली अदालत द्वारा पहली पतने से जन्मी तीन बेटियों को गुजारा भत्ता दिए जाने के निणय्य को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करते हुए सुनाया है। याची ने वर्ष 2015 में पहली पतने के देहांत के बाद दूसरी शादी कर ली। पहली पतने से जन्मी याची की तीन बेटियों ने देवरिया के न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम, 2005 के तहत अपने पिता से अंतरिम भरण-पोषण देने की मांग करते हुए आरोप लगाया कि मां की मौत के बाद पिता, सौतेली मां के साथ इन सभी के साथ मारपीट करता है। उन्होंने इनकी पढ़ाई भी रोक दी है। न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में बेटियों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए पिता को निर्देशित किया कि वह तीनों बेटियों का को तीन हजार रुपये प्रतिमाह भरण -पोषण प्रदान करें।याची पिता ने न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश को जिला जज की अदालत में चुनौती दी।

सड़क हादसों में खलासी समेत तीन की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र/कोन। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में शनिवार की रात हुए हादसों में खलासी समेत तीन की मौत हो गई। सदर कोतवाली में मजदूर बेकाबू ट्रक की

टेंपो से गिरकर युवक ने दम तोड़ दिया। कोन थाना क्षेत्र में वाराणसी निवासी खलासी हाइवा की चपेट में आ गया। ली घटना सदर कोतवाली क्षेत्र के बभनौली तिराहे की है। देवराज गांव निवासी बल्ली (45) मजदूरी करने राबर्ट्सगंज गया था। यहां काम खत्म होने के बाद वह शनिवार देर शाम साइकिल से घर लौट रहा था। बभनौली तिराहा के पास वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर पीछे से आ रहे ट्रक ने उसे चपेट में ले लिया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। दूसरी घटना मांची थाना क्षेत्र की है। सियरिया गांव निवासी छोटे लाल (30) बाजार से अपने घर लौट रहा था। टेंपो से गिरकर वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे शनिवार की शाम जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। दोनों शवों का रविवार को पोस्टमार्टम कराया गया। तीसरी घटना कोन थाना क्षेत्र की है। वाराणसी के कपसेठी थाना क्षेत्र के बाराडीह गांव निवासी पवन गोंड (43) पुत्र धर्मराज गोंड ट्रक पर खलासी का काम करता था। वह चालक मनीष के साथ ट्रक पर बालू लेकर आ रहा था। बालू साइड से कुछ दूर आगे बढ़ने पर ही रास्ते में ट्रकों की लंबी कतार से जाम लग गया था। ट्रक खड़ा होने पर खलासी पवन उसका शीशा पोंछने के लिए उतरा। इसी दौरान सामने चल रहा हाइवा नदी की चढ़ाई पर पीछे की तरफ आने लगा। पवन उसकी चपेट में आ गया। गंभीर रूप से घायल होने पर चालक अन्य लोगों के साथ उसे लेकर सीएचसी चोपन पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। कोन थाने में हाइवा के अज्ञात चालक के विरुद्ध केस दर्ज किया है। मामले की सूचना पर पुलिस दोनों ट्रक को थाने ले गई। कोन थाना प्रभारी लक्ष्मण पर्वत ने बताया कि हादसे में एक खलासी की मौत हो गई है। ट्रक चालक की तहरीर पर दोषी चालक पर केस दर्ज कर लिया गया है। वाहनों को कब्जे में लिया गया है।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

★C.O.P.A.
★Fitter
★Security Service
★Electric Technician
★Electrician
★Computer Application
★Repair of Refrigerator & A.C.
★Fire Safety & Industrial Security
★Computer Teacher Training
★Computer Hardware & Maintenance
★Welding Technology
★Certificate in YOGA

Message

नन्दी गोपाल गुप्ता 'नन्दी'
मंत्री
स्टाम्प न्यायालय शुल्क, पंजीयन
एवं नागरिक उड्डयन विभाग
उत्तर प्रदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि आपकी संस्था "नैनी आद्यौगिक प्रशिक्षण केन्द्र" द्वारा विगत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी "प्रवेश विवर्जिका" नाम की पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। पत्रिका छात्र / छात्राओं में चेतना, सृजनात्मक शक्ति, बौद्धिक क्षमता एवं उनकी वैचारिक एवं मानसिक अभिव्यक्ति को प्रदर्शित करने मे अवश्य सार्थक सिद्ध होगी।

संस्था द्वारा प्रकाशित होने वाली पत्रिका " प्रवेश विवर्जिका" के सफल प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं!

भवदीय
नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी'

Nand Goapal Gupta
नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी'
मंत्री

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

अवैध तरीके से चल रहे 7 हॉस्पिटलों को निरस्तीकरण की नोटिस जारी, दो हॉस्पिटल सीज

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। मुख्य चिकित्साधिकारी के निर्देश में निजी चिकित्सालय, क्लिनिक, पैथोलॉजी जो बिना पंजीयन की गई। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार एबी पैथोलाजी मधुपुर शिव पैथोलाजी मधुपुर, ब्रह्मानंद पैथोलाजी मधुपुर अवैध रूप से राबर्ट्सगंज लगातार निरीक्षण करने पर चिकित्सक नही पाये पाये जाने पर पंजीकरण निरस्त करने हेतु नोटिस जारी किया गया। यही हाल सिटी हॉस्पिटल इमरती कालोनी राबर्ट्सगंज, परमहंस हॉस्पिटल उरमौरा, उपकार हॉस्पिटल ककराही में लगातार निरीक्षण करने पर चिकित्सक नहीं पाये जाने पर पंजीकरण निरस्त करने हेतु नोटिस जारी किया गया है। इसके साथ ही सरिता हॉस्पिटल उरमौरा राबर्ट्सगंज संकेत हॉस्पिटल योलॉजी का संचालन बन्द कर दिया गया है। पूर्वांचल हॉस्पिटल चतरा अवैध रूप से संचालित व पंजीकरण न होने की दशा में सील कर दिया गया है। साथ ही यश दीप हॉस्पिटल रामगढ़ हॉस्पिटल में निरीक्षण करने पर चिकित्सक न होने के कारण स्पष्टीकरण हेतु नोटिस जारी किय गया है। सीएमओ डॉ अश्वनी कुमार ने बताया की ऐसे ही अवैध हॉस्पिटलों पर छापे मारी का दौर जारी रहेगा। उधर स्वास्थ्य विभाग के छापेमारी से अबैध अस्पताल संचालको मे हड़कंप मचा हुआ है।

के अवैध रूप से संचालित हो रहे है पर कार्रवाई के मे शनिवार को नोडल के निरीक्षण के दौरान दर्जनों अस्पतालो व पैथोलाजी पर कार्यवाई संचालित व बिना पंजीकरण के संचालित पाये जाने पर शनिवार को सील कर दिया गया। इसके साथ ही संकेत हॉस्पिटल

जिलाअस्पताल अस्पताल मे सक्रिय दलालो कि अब खैर नही गिरफ्तारी के साथ साथ होगी कार्रवाई

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। सोनभद्र/लोढ़ी जिलाअस्पताल मे दलालो कि संख्या बढ़ती जारही है जिस कारण जिलाअस्पताल से मरीजो को बहला फुसलाकर कर प्राइवेट हॉस्पिटल मे लेजाते है इसकी रोकथाम के लिए श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय के अपराध और अपराधियों के रोकथाम हेतु चलाए गए अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी नगर महोदय के निर्देश के क्रम में कोतवाली राबर्टसगंज पुलिस द्वारा श्रीमान चिकित्सा अधिकारी अस्पतालश्री अख् सिंह की तहरीर पर पंजीकृत आरोपी अभिषेक मिश्रा पुत्र राजेश मिश्रा निवासी पंचमुखी थाना रावटसगंज को गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण इस प्रकार है कि जिला अस्पताल लोढ़ी में भर्ती हुए मरीजों को वहां मौजूद स्टाफ पर दबाव बनाकर अपने निजी अस्पताल में मरीजों को ले जाए जाने का प्रयास किया जाता है या ले जाया जाता है। इसके विरोध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्री डी के सिंह द्वारा शिकायत की गई थी और आरोपी अभिषेक मिश्रा की कल गिरफ्तारी कर आज मा0न्यायालय रवाना किया।

मरीज की जान बचानी है तो सरकारी अस्पताल में मत छोड़ो

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। जिला अस्पताल परिसर में मरीजों को निजी अस्पताल में ले जाने के लिए बरगलाने का मामला सामने आया है। इससे संबंधित एक वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वीडियो कब का है, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। विंग के अधीक्षक डॉ. डीके सिंह की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात लोगों पर मरीजों को निजी अस्पताल ले जाने और धमकी देने के आरोप में केस दर्ज कराया था। इसके बावजूद अस्पताल से मरीजों को ले जाने का क्रम बना हुआ है। इस बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें जिला अस्पताल परिसर में पीला कपड़ा पहने एक युवक मरीज के परिजनों को निजी अस्पताल में ले जाने के लिए उकसा रहा है। वीडियो में वह साफ कहता दिख रहा है कि निजी अस्पताल में बेहतर और सस्ता इलाज मिलेगा। अगर मरीज को बचाना है तो वो उसे निजी अस्पताल में लेकर चलें। वीडियो वायरल होने के बीच पुलिस ने पूर्व में दर्ज मुकदमे में एक युवक को पकड़ा है। पुलिस के मुताबिक शनिवार की रात सवा 12 बजे के करीब एक निजी अस्पताल का कर्मचारी अभिषेक मिश्रा जिला अस्पताल पहुंचा। वह बरगलाकर एक मरीज को बाहर तक ले आया। इस बीच चौकी पर तैनात पुलिस कर्मी की नजर उस पर पड़ गई। उसने उच्चाधिकारियों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे चौकी प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने आरोपी को हिरासत में लिया।

जल जीवन मिशन द्वारा किया जा रहा गांवों को जागरूक

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। जनपद में पिछले कई महीनों से जल जीवन मिशन को लेकर कई विकास खंडों में जागरूक करने का कार्यक्रम संचालित हो रहा है उसी क्रम में बिकास खन्ड - कोन में भी जल जीवन मिशन ठहर घर जलठयोजना अंतर्गत सोनभद्र में इम्पैनल्ड/सूचीबद्ध (एजेंसी मेसर्स स्वजन फाउण्डेशन लखनऊ द्वारा 15 जनवरी 2024 से जनपद के विकास खण्ड - कोन के ग्राम -ब्राह्मपुरी , पिंडारी, चकरिया, चननी , मिश्री, बरवाडीह, कोन, खरौंधी, देवाटन, रोरवा, मिटिहिनिया, खेतकटवा, खेमपुर, मोहिद्दीनपुर, नकतवार, में टीम द्वारा नुक्कड़ नाटक , मेला, प्रदर्शनी, जल जांच, शोशल मैपिंक फ़िल्म प्रोजेक्टर के माध्यम से ग्राम पंचायत के स्तर पर संचालित आंगन बड़ी केंद पर पेयजल एवं स्वक्षता सम्बन्धित जागरूकता कराए जाएंगे । जिससे ग्रामीणों को जल जीवन मिशन द्वारा सरकार की उपलब्धियों के सम्बंध में जागरूक किया जा सके। कार्यक्रम में ग्रामवासी को गुणवक्ता एवं मेहता के बारे में विस्तृत रूप में संस्था के अनिल कुमार एवं वरिष्ट ट्रेनरों द्वारा जानकारी दी जाएगी ।

ककराही क्रिकेट क्लब के फाइनल मुकाबला आज बसवा व राजगढ़ के बीच काटे के मुकाबले मे राजगढ़ के टीम ने जीत हासिल किया

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। ककराही क्रिकेट टीम द्वारा क्रिसमस के दिन से हर वर्ष आयोजित कैनवस क्रिकेट प्रतियोगिता के 11 वें संस्करण क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला रविवार को बसवा व राजगढ़ के बीच खेला गया। टॉस सकुशल निर्वहन की गयी। बसवा टीम के खिलाड़ी राहुल को मैन ऑफ़ द मैच घोषित किया गया। जिनको मुख्य अतिथि पूर्व सांसद छोटे लाल खरवार द्वारा पुरस्कृत किया।इस मौके पर ग्राम प्रधान वेदकराही राम चंद्र प्रजापति,उमाकांत मिश्र

राजगढ़ के कप्तान ने जीता और पहले फील्डिंग करने का फैसला किया।पहले बल्लेबाज़ी करते हुए बसवा की टीम ने निर्धारित 100 बाल पर 07 विकेट खोकर 178 रन बनाए। जिसमे अर्पित ने शानदार 86 रन बनाया। उन्होंने मात्र 30 गेंद में 86 रन बनाये। दूसरी पारी में लक्ष्य का पीछा करते हुए राजगढ़ की टीम ने मात्र 90 बाल में 05 विकेट खोकर 180 रन बना लिया। जिसमे रोहित ने शानदार 79 रन बनाये । निर्णायक की भूमिका सुधीर सिंह व सुशील पाण्डेय द्वारा प्रधनाचार्य हंसवाहिनी इण्टर कॉलेज कसया जिला अध्यक्ष वित्तविहीन शिक्षक महासभा सोनभद्र,बृजेश पाण्डेय,अरबिन्द विश्वकर्मा,विक्की ,राजेंद्र प्रसाद पाण्डेय,अरुण पति त्रिपाठी,डॉ मनोज कुमार मिश्र प्रवक्ता हंसवाहिनी इण्टर मीडिएट कॉलेज,राजू वेश्शरी पूर्व प्रधान,श्याम नारायण विश्वकर्मा प्रबन्धक इंडियन बैंक,धर्मेंद्र शर्मा मण्डल अध्यक्ष करमा भाजपा,ओम प्रकाश केशरी,अमर नाथ मौर्य महामंत्री भाजपा आदि उपस्थित रहे।

पुलिस उपमहानिरीक्षक विन्ध्याचल व पुलिस अधीक्षक मीरजापुर सहित अन्य पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारीगण द्वारा जनपद के विभिन्न थानों पर आने वाले आमजन की सुनी गयी समस्याएं

(आधुनिक समाचार सेवा)

मीरजापुर। शासन के निर्देशानुसार (प्रत्येक माह के द्वितीय व चतुर्थ शनिवार) जनता की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निस्तारण हेतु जनपद के समस्त थानों पर थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल ठडां0 मुथुकुमार स्वामी बी0ठ व पुलिस उपमहानिरीक्षक विन्ध्याचल परिक्षेत्र विन्ध्याचल ठआर. पी.सिंहठ द्वारा थाना जिगना पर एवं पुलिस अधीक्षक मीरजापुर ङ्घअभिनन्दनङ्घ द्वारा थाना चिल्ह पर उपस्थित रह कर आने वाले आमजन की शिकायतें सुनकर निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया । इसी क्रम में थाना समाधान दिवस के अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर व उपजिलाधिकारी द्वारा थाना को0देहात पर, क्षेत्राधिकारी सदर द्वारा थाना कछवां पर, तहसीलदार द्वारा थाना हलिया पर, क्षेत्राधिकारी लालगंज व नायब तहसीलदार द्वारा थाना लालगंज पर, क्षेत्राधिकारी लालगंज व उपजिलाधिकारी द्वारा थाना ड्रमण्डगंज पर, उपजिलाधिकारी द्वारा थाना सन्तनगर पर, क्षेत्राधिकारी चुनार द्वारा थाना अदलहाट पर, उपजिलाधिकारी द्वारा थाना अहरौरा पर, क्षेत्राधिकारी आपरेशन व तहसीलदार द्वारा थाना राजगढ़ पर सम्बन्धित थाना प्रभारी निरीक्षक/ थानाध्यक्षगण व राजस्व विभाग के अ?य अधिकारी एवं कर्मचारीगण के साथ थाने पर आने वाले आमजन की समस्याएं सुनकर मौके पर निस्तारण कराया गया तथा शेष मामलों के निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर रवाना किया गया । थाना समाधान दिवस पर प्राप्त प्रार्थना पत्रों को थानावार विवरण निमनंकित है – थाना को0शहर पर 06 प्रार्थना पत्र प्राप्त 05 निस्तारित, थाना को0कटरा पर 08 प्रार्थना पत्र प्राप्त 04 निस्तारित, थाना विन्ध्याचल पर 20 प्रार्थना पत्र प्राप्त 10 निस्तारित, थाना को0देहात पर 35 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना चील्ह पर 10 प्रार्थना पत्र प्राप्त 04 निस्तारित, थाना कछवां पर 09 प्रार्थना पत्र प्राप्त 03 निस्तारित, थाना पड़री पर 06 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना लालगंज पर 14 प्रार्थना पत्र प्राप्त 07 निस्तारित, थाना हलिया पर 09 प्रार्थना पत्र प्राप्त 01 निस्तारित, थाना जिगना पर 20 प्रार्थना पत्र प्राप्त 01 निस्तारित , थाना ड्रमण्डगंज पर 05 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना सन्तनगर 04 प्रार्थना पत्र प्राप्त 03 निस्तारित, थाना चुनार पर 08 प्रार्थना पत्र प्राप्त 04 निस्तारित, थाना अदलहाट पर 13 प्रार्थना पत्र प्राप्त 02 निस्तारित, थाना जमालपुर पर 01 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना मडि.हान पर 01 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना राजगढ़ पर 07 प्रार्थना पत्र 04 निस्तारित, थाना अहरौरा पर 08 प्रार्थना पत्र प्राप्त 02 निस्तारित तथा शेष मामलों के निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को रवाना किया गया ।

अब चुके तो बकाये पर नहीं मिलेगा छूट का लाभ

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। शासन की तरफ से बिजली के बकायेदारों को बिल जमा करने के लिए एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) शुरू की गई है। बकायेदारों के पास अब सिर्फ दो दिन का मौका है। बकाया बिल जमा करके छूट का लाभ ले सकते है। अब चूके तो बकाएदारों पर विभाग सख्ती करेगा। बिजली कनेक्शन भी काटा जा सकता है। ओटीएस के तहत अधिकाधिक लोगों को लाभान्वित करने के लिए विभाग की तरफ से काउंटर बढ़ाए जाने के साथ ही अन्य जरूरी व्यवस्था की गई है। राबर्ट्सगंज और पिपरी डिविजन में करीब ढाई लाख उपभोक्ता है, जो एकमुश्त समाधान योजना के तहत बकाया बिल जमा कर छूट का लाभ ले सकते हैं। इसके लिए 16 जनवरी तक बिजली विभाग की तरफ से विशेष कैंप लगाया जा रहा है। रविवार को अवकाश के बाद भी बिजली विभाग के कैश काउंटर खुले रहे। राबर्ट्सगंज विद्युत वितरण खंड अंतर्गत 1.48 लाख उपभोक्ता हैं। इसके सापेक्ष अब तक सिर्फ 27170 उपभोक्ताओं ने ही ओटीएस के तहत पंजीकरण कराते हुए बकाया बिल जमा किया है। अब तक कुल 20 करोड़ 21 लाख रुपये का राजस्व विभाग को प्राप्त हुआ है। इसी तरह पिपरी विद्युत वितरण खंड में 18 हजार से अधिक उपभोक्ताओं की तरफ से बकाया बिल जमा कर छूट का लाभ लिया गया है। हालांकि अभी बड़ी संख्या में उपभोक्ता बकाया बिल जमा नहीं किए हैं। ऐसे उपभोक्ताओं के लिए सिर्फ दो दिन का समय शेष बचा है।पांच कैश काउंटर खोले गए ओटीएस स्कीम के तहत अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को लाभ दिया जाए इसके लिए राबर्ट्सगंज स्थित बिजली कार्यालय में पांच कैश काउंटर खोले गए हैं। पहले दो कैश (शहरी एवं ग्रामीण) काउंटर पर ही बिजली बिल जमा होता था। इससे बकाया बिल जमा करने आने वाले उपभोक्ताओं को बहुत समय तक लाइन में खड़ा नहीं होगा। बिजली गुल होने पर काम नहीं होगा बाधित राबर्ट्सगंज स्थित बिजली कार्यालय में बिजली गुल होने पर काम प्रभावित नहीं होगा। विभाग की तरफ से बिजली के विकल्प के रूप में किराये पर जनरेटर की व्यवस्था की गई है। बिजली गुल होने की स्थिति में जनरेटर चलाकर काम किया जाएगा। इससे कर्मचारियों के साथ ही उपभोक्ताओं को परेशान नहीं होना पड़ेगा। वर्जनः ओटीएस स्कीम के तहत 16 जनवरी तक उपभोक्ता बकाया बिल जमा करके छूट का लाभ ले सकते हैं। उपभोक्ताओं को बिल जमा करने में दिक्कत न हो, इसके लिए कार्यालय में पांच कैश काउंटर खोले गए हैं।

धोनी के हथियार की तूफानी फिफ्टी और विराट कोहली का बड़ा रिकॉर्ड धराशायी, युवराज सिंह के क्लब में मारी एंट्री

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने इंदौर के होल्कर मैदान में अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में 6 विकेट से जीत हासिल की। भारत ने यशस्वी जायसवाल और शिवम दुवे के दम पर मैच अपने नाम करके सीरीज अपने नाम की भारतीय टीम ने इंदौर के होल्कर मैदान में अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में 6 विकेट से जीत हासिल की। भारत ने यशस्वी जायसवाल और शिवम दुवे के दम पर मैच अपने नाम करके सीरीज अपने नाम की। दुबे ने 32 गेंदों में 5 चौके और 4 छक्के लगाकर 63 रन की पारी खेली। दुबे ने इस पारी से टी20 में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है दुबे ने 32 गेंदों में 5 चौके और 4 छक्के लगाकर 63 रन की पारी खेली। ऐसे में दुबे ने अपने जीत का श्रेय एक बार फिर आईपीएल की टीम चेनन्ई सुपर किंग्स को दिया है। दुबे ने इस पारी से टी20 में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। दुबे भारत की ओर से टी20 में में सबसे ज्यादा बार विकेट लेने वाले अर्धशतक जड़ने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इस लिस्ट में सबसे ऊपर दिगग्ज ऑलराउंडर युवराज सिंह का नाम है, जिन्होंने 3 बार एक टी20 मैच में अर्धशतक जड़ा है और विकेट भी अपने नाम किए हैं। बता दें कि शिवम ने पहले मैच में भी अपने ऑलराउंडर शो से भारत को मोहाली में जीत दिलाई।उन्होंने पहले मैच में भी चंडीगढ़ में भी अर्धशतक जड़ा और एक विकेट चटकाया। शिवम दुवे ने इस सीरीज से भारत के लिए टी20 में डेब्यू किया। भारत ने पहले मैच में भी जीत दर्ज करते हुए 2-0 से सीरीज अपने नाम की और अब तीसरे मैच में भारत अफगानिस्तान को क्लीन स्वीप करना चाहेगी।

तूफानी पारी खेलकर भी शिवम दुबे को इस बात क रहा मलाल, मैच जीतने के बाद कह दी बड़ी बात

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भारतीय टीम के ऑलराउंडर शिवम दुबे ने इंदौर में खेले गए दूसरे टी20 मैच में बल्ले से शानदार पारी खेली और उनका टीम इंडिया की 6 विकेट से जीत में अहम योगदान रहा। इस मैच में मिली जीत के साथ ही भारत ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त दिलाई। शिवम दुबे ने गेंद और बल्ले से शानदार परफॉर्म किया, लेकिन मैच के बाद शिवम दुबे ने एक ऐसा बयान दिया, जिसको जानकर ऐसा लग रहा था कि उन्हें इससे और बेहतर परफॉर्मेंस की उम्मीद थी। आइए जानते हैं शिवम ने क्या कहा? दरअसल, भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर शिवम दुबे ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले दोनों टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अर्धशतकी पारियों खेली और भारत को सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त दिलाने में अहम रोल निभाया। इंदौर में शिवम ने 32 गेंदों पर नाबाद 63 रन की पारी खेली। इस मैच के बाद शिवम ने पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन के दौरान कहा कि मैच और पहले खत्म हो जाना चाहिए था दुबे ने आगे कहा कि कप्तान वास्तव में मेरे परफॉर्मेंस से खुश हैं और उन्होंने मुझसे कहा कि तुमने अच्छा खेला। हम (शिवम और जायसवाल) दोनों स्ट्रोक खिलाड़ी हैं और हम खेल जानते है। मेरी भूमिका स्पिनरों से मुकाबला करने की थी, लेकिन हमारा प्लान अटैक करने और खेल को जल्दी खत्म करने का था। दिमाग में कोई मेरा लक्ष्य नहीं था, लेकिन हमें खेल पहले ही खत्म कर लेना चाहिए था शिवम ने आगे कहा कि ऐसी कई चीजें हैं जिन पर मैंने काम किया है और ये दर्शाता है कि आप टी20 खेल के लिए मानसिक रूप से कितने तैयार हैं। दबाव को कैसे संभालना है और यह तय करना है कि किस गेंदबाज को लेना है। हालांकि, हर गेंद को हिट करना महत्वपूर्ण नहीं है। मैं अपनी गेंदबाजी पर भी काम कर रहा हूं, खुश हूं कि पहले मैच में इसने काम किया, लेकिन आज उतना नहीं। लेकिन टी20 क्रिकेट ऐसा ही है।

रोहित-विराट की टी20 टीम में वापसी के फैसले का युवराज सिंह ने किया समर्थन, फिल्मी अंदाज में आलोचकों को दिया जवाब

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आगाज जून के महीने में होना है, जिसके लिए अभी से ही सभी टीमें अपनी तैयारियों पर ध्यान दे रही है। आगामी विश्व कप को ध्यान में रखते हुए भारतीय टी20 टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली की वापसी को लेकर भी चर्चा चरम पर है। आगामी विश्व कप को ध्यान में रखते हुए भारतीय टी20 टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली की वापसी को लेकर भी चर्चा चरम पर है। विराट और रोहित के 14 महीने बाद टी20 टीम में वापसी के फैसले पर जहां कई यूजर्स सवाल खड़े कर रहे है तो वहीं भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने इस फैसले का समर्थन किया है। विराट और रोहित के 14 महीने बाद टी20 टीम में वापसी के फैसले पर जहां कई यूजर्स सवाल खड़े कर रहे है, तो वहीं, भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने इस फैसले का समर्थन किया है। युवराज सिंह ने हाल ही में एक इवेंट के दौरान विराट-रोहित के टी20 टीम में वापसी पर हो रही आलोचनाओं पर करारा जवाब दिया। उन्होंने बॉलीवुड फिल्म

अमर प्रेम के सुपरहिट गाने के शब्दों का इस्तेमाल करते हुए अपनी बात रखी। दरअसल, मोहाली में अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में भारतीय टीम को 6 विकेट से जीत हासिल हुई। मोहाली में रोहित की टी20 टीम में 14 महीने बाद वापसी हुई, लेकिन इस मैच में वह दुर्भाग्य से गिल की गलती के चक्कर में शून्य पर रनआउट हुए। वहीं, विराट कोहली निजी कारणों के चलते पहले टी20 मैच खेलने के लिए उपलब्ध नहीं थे। रोहित-विराट की लंबे समय बाद टी20 में वापसी पर कई दिग्गजों ने सवाल खड़े किए थे। इस बीच युवराज सिंह ने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। उन्होंने फिल्म अमर प्रेम के सुपरहिट गाने के शब्दों का इस्तेमाल करते हुए अपनी मन की बात कही। उन्होंने कहा कि कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना।युवी ने आगे कहा कि ऐसा इसलिए है, क्योंकि वे तीनों प्रारूपों में खेलते हैं। यही वजह है कि 14 महीने बाद लौटे हैं। अगर आप तीनों फॉर्मेट खेलते हैं तो आपको अपने कार्यभार का प्रबंधन करना होगा। यह चयनकर्ताओं के लिए सवाल है। बता दें कि युवराज ने कोलकाता में एक कार्यक्रम में मीडिया से बात करते हुए कहा कि मैं कह सकता हूं कि रोहित शानदार कप्तान हैं। उन्होंने पांच आईपीएल ट्रॉफी जीती हैं। वह हमें (विश्व कप) फाइनल तक ले गए। वह आईपीएल और भारत के हमारे महान कप्तानों में से एक रहे हैं। हमें उनके कार्यभार का प्रबंधन करना होगा। मुझे नहीं पता कि इस समय हार्दिक की फिटनेस को लेकर क्या स्थिति है। यह चयनकर्ताओं का फैसला है।

बीच मैच में हुई अजब-गजब की घटना, बॉल चुराकर घर की ओर भागा फैन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड के बीच हैमिल्टन में खेले गए दूसरे टी20 मैच में न्यूजीलैंड को 21 रनों से जीत मिली। इस मैच में कीवी टीम के खिलाडि.यों यह रही कि गेंद जैसे ही मैदान से बाहर गई तो एक फैन गेंद को लेकर सीधा भागते हुए नजर आया, जिसकी वीडियो देख हर कोई जमकर मजे ले रहा है। दरअसल, दूसरे टी20 मैच में

ने शानदार परफॉर्मेंस किया और सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाई। पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड के बीच खेले गए दूसरे टी20 मैच में न्यूजीलैंड को 21 रनों से जीत मिली। इस मैच में कीवी टीम के खिलाडि.यों ने शानदार परफॉर्मेंस किया और सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाई। इस बीच मैच का एक वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें पाकिस्तान टीम के अनुभवी बैटर फखर जमान ने ऐसा शॉट जड़ा जो सीधा स्टेडियम से बाहर गेंद पहुंची। इस बीच मैच का एक वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें पाकिस्तान टीम के अनुभवी बैटर फखर जमान ने ऐसा शॉट जड़ा जो सीधा स्टेडियम से बाहर गेंद पहुंची। यह छक्का देख हर कोई हैरान रहा। इसमें एक मजेदार बात पाकिस्तान के फखर जमान (ईर्ईर्ई र्स्ह) ने 25 गेंदों में तीन चौके और 5 छक्कों की मदद से 50 रन की पारी खेली, लेकिन फखर की अर्धशतकीय पारी टीम के काम नहीं आ सकी। बता दें कि पाकिस्तान की पारी के छठे ओवर में न्यूजीलैंड के गेंदबाज बेन सियर्स की आखिरी गेंद पर फखर जमान ने मिड विकेट की ओर बेहतरीन छक्का जमाया। इस लंबे छक्के को देखकर एक और जहां कॉमेंटेटर तारीफ कर रहे थे, तो वहीं दूसरी ओर मैदान के बाहर एक शख्स ने महफिल लूट ली। वह मैदान के बाहर गिरी गेंद उठाकर सीधा घर की तरफ भागने लगा। उसके बाद अंपायर ने दूसरी गेंद मंगवाई और आगे का मैच जारी हुआ अगर बात करें मैच की तो पहले बैटिंग करते हुए कीवी टीम ने 8 विकेट के नुकसान पर 194 रन बनाए।

एंजेलो मैथ्यूज ने वन मैन शो दिखाकर लूटी महफिल, श्रीलंका ने रोमांचक पहले टी20आई में जिंबाब्वे को धोया

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। श्रीलंका और जिम्बाब्वे के बीच वनडे के बाद अब बारी है छोटे फॉर्मेट की। जिम्बाब्वे और श्रीलंका के बीच पहला टी20 मैच खेला गया। श्रीलंका ने टॉस जीतकर लिए 37 रन जोड़े। जिम्बाब्वे की ओर से सबसे ज्यादा रन कप्तान सिकंदर रजा ने 42 गेंदों में 147. 61 के स्ट्राइक रेट से 5 चौके और 2 छक्के लगाकर 62 रन बनाए। सीन विलियम्स और सिकंदर रजा

जिम्बाब्वे को पहले बल्लेबाजी के लिए उतारा। जिम्बाब्वे और श्रीलंका के बीच पहला टी20 मैच खेला गया। श्रीलंका ने टॉस जीतकर जिम्बाब्वे को पहले बल्लेबाजी के लिए उतारा। जिम्बाब्वे की टीम 20 ओवर में 5 विकेट गंवाकर 143 रन ही बना सकी। श्रीलंका ने 20 ओवर में 3 विकेट हाथ में रहते हुए मैच अपने नाम कर लिया। कप्तान वानिंदु हसरंगा और महीश थीक्षाना ने 2-2 विकेट लिए। साथ ही दुष्मंथा चमीरा ने 1 विकेट लिय जिम्बाब्वे की टीम 20 ओवर में 5 विकेट गंवाकर 143 रन ही बना सकी। श्रीलंका ने 20 ओवर में 3 विकेट हाथ में रहते हुए मैच अपने नाम कर लिया। पारी का आगाज करते हुए क्रेग एर्विन और तिनशे कामुनहुकामवे ने पहले विकेट के ने तीसरे विकेट के लिए 45 रन जोड़े। श्रीलंका की ओर से कप्तान वानिंदु हसरंगा और महीश थीक्षाना ने 2-2 विकेट लिए। साथ ही दुष्मंथा चमीरा ने 1 विकेट लिया। एंजेलो मैथ्यूज ने श्रीलंका के लिए सबसे ज्यादा 46 रन की पारी थेली। एंजेलो ने 38 गेंदों में 5 चौके और 1 छक्का लगाकर टीम को जीत की कगार पर पहुंचाया। इसके अलावा दासुन शनाका ने 26 रन बनाए। कुसल मेंडिस और कुसल परेरा दोनों ने 17 रन बनाए। इसके अलावा चैरिथ असलांका ने 16 रन बनाए। जिम्बाब्वे के लिए कप्तान सिकंदर रजा ने 3 विकेट लिए। ब्लेसिंग मुजारबानी ने 2 विकेट लिए। वेलिंगटन मसाकाद्जा और रिचर्ड नगारवा ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

इंदौर में मिली जीत से गदगद हुए कप्तान रोहित शर्मा इन खिलाडियों की तारीफ के बांधे पुल

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। रोहित शर्मा के नेतृत्व वाली भारतीय टीम ने अफगानिस्तान को दूसरे टी20 मैच में 6 विकेट से धूल चटाई। इस जीत के साथ ही भारत ने सीरीज पर 2-0 की अजेय बढ़त बनाई। इस मैच में पहले बैटिंग करते हुए अफगानिस्तान की टीम ने 20 ओवर में 172 रन का स्कोर खड़ा किया। भारत ने दूसरे टी20 मैच में अफगानिस्तान को 6 विकेट से हराते हुए सीरीज पर 2-0 से कब्जा जमाया। भारत की तरफ से यशस्वी जायसवाल शिवम दुबे और अर्शदीप सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि जब आप ऐसा परफॉर्मेंस देखते हैं तो आप वास्तव में गर्व महसूस कर सकते है इसके जवाब में टीम इंडिया ने 15.4 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 173 रन बनाकर मैच के साथ ही सीरीज पर भी कब्जा किया। मैच में मिली जीत के बाद भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन के दौरान काफी खुश नजर आए। उन्होंने मैच जीतने के बाद एक बड़ा बयान दिया। दरअसल, भारत ने दूसरे टी20 मैच में अफगानिस्तान को 6 विकेट से हराते हुए सीरीज पर 2-0 से कब्जा जमाया। भारत की तरफ से यशस्वी जायसवाल, शिवम दुबे और अर्शदीप सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि जब आप ऐसा परफॉर्मेंस देखते हैं, तो आप वास्तव में गर्व महसूस कर सकते हैं। रोहित ने कहा कि यह बहुत अच्छा एहसास है, यह एक लंबी जर्नी रही है, जिसकी शुरुआत 2007 में हुई थी। मैंने यहां बिताए हर पल को संजोकर रखा है। हम जो करना चाहते थे, उसे लेकर हम स्पष्ट थे, सभी को बहुत मैसेज और जब आप ऐसा प्रदर्शन देखते हैं, तो आप वास्तव में गर्व महसूस कर सकते हैं। इसके बारे में एक बात करना है, लेकिन वास्तव में वहां जाना और उस तरह से खेलना एक गर्व की अनुभूति है। रोहित ने आगे कहा कि यशस्वी उनके लिए कुछ साल बहुत अच्छे रहे, जायसवाल ने अब टेस्ट क्रिकेट और यहां तक कि टी20 इंटरनेशनल भी खेला है। उन्होंने दिखाया है कि वह क्या करने में सक्षम है।

राशीफल

मेष-:इस सप्ताह की शुरुआत प्रसन्नता के साथ होगी। लेकिन बातचीत में संवत रहें। शिक्षा से जुड़े काम पर ध्यान देने की आवश्यकता है। धैर्य रखना होगा। भागदौड़ बनी रहेगी।

वृष-:इस सप्ताह आत्म संवत रहने की आवश्यकता है। मन परेशान रहेगा। गुस्सा पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का साथ मिलेगा। लाभ के

मिथुन-:मन में आशा-निराशा बनी रहेगी। नकारात्मक विचारों से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की आवश्यकता है। शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। नौकरी में कार्यभार में बढ़ोतरी

कर्क-:सप्ताह के शुरूआत से वाणी में मधुरता रहेगी, लेकिन धैर्यशीलता बनाए रखने की कोशिश करें। शिक्षा से जुड़े कामों में सफलता मिलेगी। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखना

सिंह-:सप्ताह के पहले दिन से मन में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। नौकरी में तरक्की मिलने की संभावना है। शासन सत्ता का योग बन रहा है। भवन सुख मिलेगा। शिक्षा से जुड़े काम में

कन्या-:इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा होगी। परिवार की जिम्मेदारी बढ़ेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। मन परेशान हो सकता है। स्वभाव में

तुला-:नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों

वृश्चिक-:इस सप्ताह परिवार के साथ धार्मिक यात्रा के योग बन रहे हैं। माता का सहयोग भी प्राप्त होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। ज्यादा उत्साही होने से बचें। किसी पुराने दोस्त से

धनु-:नौकरी में तरक्की होने की संभावना है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव बना रहेगा। मानसिक शांति रहेगी। गुस्सा पर काबू रखें।

मकर-:परिवार में हंसी-खुशी का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। नकारात्मक विचारों से बचाव

कुंभ-:मन खुश रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा। शत्रुओं पर

मीन-:पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

सम्पादकीय

30 साल के विवेकानंद ने 54 साल के जमशेदजी टाटा को दिए थे 2 आइडिया, और बदल गया भारत का इतिहास

पीएम मोदी ने स्वामी विवेकानंदजी के शिकागो भाषण की 125वीं सालगिरह पर एक कार्यक्रम में जिक्र किया था कि कैसे विवेकानंदजी ने मेक इन इंडिया का आव्हान करते हुए जमशेदजी टाटा को इसके लिए प्रेरणा दी थी। आज विवेकानंद के दिए ऐतिहासिक भाषण को 126 साल हो गए हैं। विवेकानंद के इस भाषण की पूरी दुनिया दीवानी हो गई थी। यही वह भाषण था जिसने भारत की दार्शनिक मेधा, गूढ़ हिंदू धर्म को संक्षिप्त रूप से लेकिन प्रभावी तरीके से पूरी दुनिया के सामने पहुंचाया था। बहरहाल, भाषण के अलावा विवेकानंद कई रूपों में भी याद किए जाते हैं। पिछले साल विवेकानंद के शिकागो में दिए भाषण को 125 साल होने पर पीएम मोदी ने भी याद किया गया। आइए जानते हैं क्या थी वह घटना जिसका जिक्र मीडिया में चर्चा में आ गया था। दरअसल, ये बात 1893 की है, जब विवेकानंदजी वर्ल्ड रिलीजन कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए अमेरिका जा रहे थे और उसी शिप 'एसएस इम्प्रेस ऑफ इंडिया'पर सवार थे, जमशेदजी टाटा। शिप बेंकूवर जा रहा था। वहां से विवेकानंद को शिकागो के लिए ट्रेन लेनी थी। उस वक्त तीस साल के युवा थे विवेकानंद और 54 साल के थे जमशेदजी टाटा, उम्र में इतने फर्क के बावजूद दोनों ने काफी समय साथ गुजारा। क्या बातें की थी विवेकानंद ने इस शिप यात्रा के दौरान कई मुद्दों पर स्वामी विवेकानंद और जमशेदजी टाटा में चर्चा हुई। टाटा ने बताया कि वो भारत में स्टील इंडस्ट्री लाना चाहते हैं। तब स्वामी विवेकानंद ने उन्हें सुझाव दिया कि टेकनेल.ॉजी ट्रांसफर करेंगे तो भारत किसी पर निर्भर नहीं रहेगा, युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। तब टाटा ने ब्रिटेन के इंडस्ट्रियलिस्ट से टेकनेलॉजी ट्रांसफर की बात की, लेकिन उन्होंने ये कहकर मना कर दिया कि फिर तो भारत वाले हमारी इंडस्ट्री को खा जाएंगे। तब टाटा अमेरिका गए और वहां के लोगों से टेकनेलॉजी ट्रांसफर का भी समझौता किया। लोग बताते हैं कि इसी से टाटा स्टील की नींव पडी और जमशेदपुर मे पहली फैक्ट्री लगी। इस बात का जिक्र आज भी टाटा बिजनेस घराने से जुड़ी वेबसाइट्स पर मिल जाता है। इस पूरी मुलाकात की जानकारी स्वामीजी ने अपने भाई महेन्द्र नाथ दत्त को पत्र लिखकर दी थी।जमशेदजी टाटा भगवा वस्त्रधारी उस युवा के चेहरे का तेज और बातें सुनकर काफी हैरान थे। भारत को कैसे सबल बनाना है इस पर उनकी राय एकदम स्पष्ट थी, ना केवल आर्थिक क्षेत्र में बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में भी। विवेकानंद ने एक और काफी अहम प्रेरणा जमशेदजी टाटा को इस यात्रा के दौरान दी। वो थी भारत में एक टॉप लेवल की यूनीवर्सिटी खोलना जहां से वर्ल्ड लेवल के स्टूडेंट्स देश भर में निकलें, जिसमें ना केवल साइंस की रिसर्च हो बल्कि ह्यूमेनिटी की भी पढ़ाई हो। टाटा ने दोनों ही बातों को गंभीरता से लिया भी, उसके बाद टाटा अपने रास्ते पर और स्वामी अपने रास्ते पर। इस मुलाकात में दो बातें टाटा ने स्वामीजी से समझीं, एक गरीब भारतीय युवा को भरपेट खाना मिल जाए और दूसरी शिक्षा मिल जाए तो वो देश की तकदीर बदल सकता है, और टाटा ने रोजगार और शिक्षा को अपना मिशन बना लिया। हालांकि दोनों की ये पहली मुलाकात थी, लेकिन टाटा उनसे काफी प्रभावित हुए। स्वामी जी का सम्मान टाटा की नजरों में तब और भी बढ़ गया, जब ब्रिटेन के अखबारों ने उनके भाषण के बाद लिखा कि ''ौ त्रेह्हगहु प्स् ौ ग्हि प्दै दिदतेप् ू ग ूद ह् सेग्दर्हेगे ूद पे म्दल्हूब.ङ्ग। शिकागो भाषण के बाद विवेकानंद के चर्चे पूरे यूरोप और अमेरिका में होने लगे, वहां से वो इंग्लैंड चले गए, जहां उन्होंने कई लैक्चर वेदांत पर दिए। स्वामीजी 1897 में भारत आए और जब वो लौटे तो लोग उनकी घोडागाड़ी में से घोड़े निकालकर खुद जुत गए, ऐसे स्वागत से अभिभूत हो गए स्वामी जी। स्वामीजी ने भारतवासियों में इतना आत्मविश्वास बढ़ा दिया था कि हर कोई उन्हें सुनने को उतावला था। इधर जमशेदजी टाटा ने अपनी जिंदगी के चार मिशन बना लिए थे, एक स्टील मैन्युफैक्चरिंग यूनिट खोलना, एक विश्व स्तर की यूनीवर्सिटी शुरू करना, एक बड़ा होटल खड़ा करना और एक हाइड्रो इलैक्ट्रिक प्लांट बनाना। हालांकि होटल ताज उनके सामने ही 1903 में बनकर तैयार हो चुका था बाकी तीनों सपने उनके बाद पूरा हो पाए। जब टाटा ने स्वामीजी की इतनी प्रशंसा सुनी तो वो काफी खुश हुए और 23 नवम्बर 1898 को उन्हें एक खत लिखा है।

अमेरिका में एक्सपो बाज़ार के नए शोरूम का भव्य उद्घाटन

नोएडा एक्सपो बाज़ार विदेश में स्थित एक बी 2 बी प्लेटफार्म के रूप में स्थापित हो रहा है और यूरोप में शोरूम खोलने के बाद अब अमेरिकी बाजार में प्रवेश कर रहा है। एक्सपो बाजार अमेरिका में बड़ी संख्या में खरीदारों को बी2बी सोर्सिंग का अवसर प्रदान करेगा। इस संस्था का रणनीतिक विस्तार खरीदारों के समझ, उनकी प्राथमिकता को पूरा करने के लिए भारत में तैयार और उत्कृष्ट रूप से क्यूरेटेड उत्पादों के अद्वितीय चयन की पेशकश करने के लिए एक्सपो बाज़ार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। एक्सपो बाज़ार डलास शोरूम का उद्घाटन आज ह्यूस्टन यूएसए में श्री टेनेल एटकिन्स, डलास के मेयर प्रो टेम ने किया। इस अवसर पर ईपीसीएच के अध्यक्ष श्री दिलीप बैद; आईईएमएल और एक्सपो बाज़ार के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार; सुश्री सिंडी मॉरिस, अध्यक्ष और सीईओ, डलास मार्केट सेंटर; एक्सपो बाज़ार के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री जितिन पराशर; सेल्स एंड मार्केटिंग एक्सपो बाज़ार यूएसए के उपाध्यक्ष श्री जय धवन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी की गरीमामयी उपस्थिति रही। श्री टेनेल एटकिन्स, डलास के मेयर प्रो टेम ने उद्घाटन करते हुए कहा कि अमेरिका में एक्सपो बाजार का नए शोरूम वैश्विक मंच पर हस्तशिल्प उद्योग के विस्तार में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा । ये शोरूम केवल उत्पाद प्रदर्शित करने के स्थान नहीं हैं; बल्कि उत्कृष्ट शिल्प कौशल की दुनिया के प्रवेश द्वार हैं, जो भारतीय संस्कृति की समृद्ध हस्तशिल्प कला का उत्सव है। परिषद सदस्य एटकिंस आर्थिक विकास समिति के अध्यक्ष, विधायी मामलों पर तदर्थ समिति के अध्यक्ष और परिवहन और बुनियादी ढांचा समिति के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं। आईईएमएल और एक्सपो बाजार के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने कहा, ठउत्कृष्टता की हमारी खोज में, एक्सपो बाजार भारत के दूरदराज के समूहों में खरीदारों और छोटे उत्पादकों के बीच सीधा संबंध बढ़ाने के लिए समर्पित है। हमारा जस्ट इन टाइम (जेआईटी) बिजनेस मॉडल ने हमारी संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को सुव्यवस्थित किया है। एक्सपो बाजार में, हम सस्टेनेबिलिटी को एक मुख्य मूल्य के रूप में अपनाते हैं। इसके साथ ही हम स्थायित्व से जुड़ी भारतीय प्रतिष्ठा के प्रति सजग और दृढ़ प्रतिबद्ध भी हैं। हम ऐसे भविष्य में विश्वास करते हैं जहां वाणिज्य न केवल फलता-फूलता है बल्कि विविध सांस्कृतिक विरासत और हमारी दुनिया के मंगल के प्रति सार्थक योगदान देता है।ठ अपनी बात को विस्तार देते हुए उन्होंने कहा ङ्कऑर्डर प्रबंधन, इन्वेंट्री नियंत्रण और वास्तविक समय शिपमेंट ट्रैकिंग के लिए इन-हाउस तकनीक प्लेटफॉर्म के साथ हम पूरी तरह से तैयार हैं। इसके साथ ही ही स्वतंत्र अमेरिकी खरीदारों का सशक्तीकरण भी कर रही हैं। इसका उद्देश्य अमेरिकी गोदामों में तैयार इन्वेंट्री रखना है ताकि खरीदार कम जोखिम के साथ अधिक बार खरीदारी कर सकें।' हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) के अध्यक्ष श्री दिलीप बैद ने विस्तार से चर्चा करते हुए कहा की एक्सपो बाजार एक प्रीमियम भारतीय बी2बी प्लेटफॉर्म और भारतीय घरेलू और लाइफस्टाइल उत्पादों के लिए सोर्सिंग हब है, जिसके पहले शोरूम का भव्य उद्घाटन जुलाई अटलांटा मार्केट 2023 के दौरान अटलांटा में किया गया। इसे अमरीकी खरीदारों की जबरदस्त प्रतिक्रिया और प्यार मिलने के बाद, डलास में आज के उद्घाटन के बाद, एक्सपो बाजार 24 जनवरी, 2024 को शिकागो मार्केट, यूएसए में एक और अतिरिक्त शोरूम यानी एक्सपो बाजार के शिकागो शोरूम ्र्क लॉन्च होगा। ये विस्तार वैश्विक स्तर पर भारतीय ब्रांडों और उनके उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए ब्रांड के समर्पण को दर्शाते हैं। उन्होने अपनी बात को विस्तार देते हुए कहा कि भारतीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देने, विकसित करने और निर्यात करने के मिशन के साथ स्थापित, हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) भी प्लेटफॉर्म के प्रभाव और प्रासंगिकता को मजबूत करने के लिए एक्सपो बाजार के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करता है। ईपीसीएच इंडस्ट्री पार्टनर के तौर पर एक्सपो बाजार में कुशल कारीगरों, शिल्पकारों और हस्तशिल्प निर्यातकों सहित अपने हितधारकों की भागीदारी की सुविधा प्रदान करता है। यह सहयोग न केवल अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करता है बल्कि उन्हें जस्ट इन टाइम (जेआईटी) बिजनेस का अवसर भी प्रदान करता है। भारत सरकार ने हाल ही में ई-कॉमर्स नीति की घोषणा की है जो लोगों को ई-कॉमर्स तंत्र में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने की अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ईपीसीएच लाभाथिन्यों के लिए ऐसे सभी पोर्टलों का समर्थन करेगा और एक कार्य योजना की दिशा में भी काम कर रहा है जहां ईपीसीएच इस दिशा में बहुत सक्रिय भूमिका निभा सकता है, ईपीसीएच के अध्यक्ष श्री दिलीप बैद ने बताया। आईईएमएल के सीईओ श्री सुदीप सरकार ने कहा कि यह वास्तव में सामान्य रूप से उद्योग हितधारकों और विशेष रूप से मार्ट मालिकों के लिए एक बहुत ही स्वागत योग्य कदम है क्योंकि यह उन्हें अपने मूल्यवान उत्पादों के लिए एक अतिरिक्त विपणन मंच प्रदान करता है एक्सपो बाज़ार के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, श्री जितिन पराशर ने कहा कि हमारे शोरूम हमारे ब्रांड विकास का जीवंत केंद्र बन चुके हैं, और हम संयुक्त राज्य अमेरिका में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के लिए उत्साहित हैं। भारतीय शिल्प कौशल और रचनात्मकता एक्सपो बाज़ार की कसौटी हैं। ऐसे में यह अमेरिकी बाज़ार के गतिशील खरीदार समुदाय के साथ एकजुट करने का बड़ा मंच साबित होगा ग्राहक तेजी से अद्वितीय, हस्तनिर्मित वस्तुओं की तलाश कर रहे हैं जो न केवल उनके रहने की जगह को बढ़ाते हैं बल्कि कलात्मकता और सांस्कृतिक विरासत की कहानी भी बताते हैं। पारंपरिक व्यवसाय अपनी आपूर्ति श्रृंखला की गतिशीलता में परिवर्तन के दौर से गुजर रहे हैं, क्योंकि उपभोक्ता व्यक्तिगत अनुभवों और उनके द्वारा खरीदे गए उत्पादों के साथ अधिक घनिष्ठ संबंध की ओर आकर्षित हो रहे हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में गोदाम स्थापित करने का हमारा नया दृष्टिकोण छोटे बुटीक स्टोर और स्वतंत्र खुदरा विक्रेताओं के लिए एक सुविधाजनक समाधान प्रदान करके इस बदलाव को संबोधित करता है। हम उन्हें हमारे उच्च-गुणवत्ता वाले उत्पादों को कम मात्रा में खरीदने के लिए सशक्त बनाते हैं, जिससे वे अपने समझदार ग्राहकों को अधिक प्रभावी ढंग से पूरा करने में सक्षम होते हैं। एक्सपो बाज़ार यूएसए में सेल्स और मार्केटिंग के उपाध्यक्ष श्री जय धवन ने जोर देकर कहा, ठहमारे ग्राहक लगातार अपने घरों में कार्यक्षमता, सहजता और व्यक्तिगत शैली को प्राथमिकता देते हैं, जिसमें घर के कोनों, छोटे स्थानों को जीवंत करने से लेकर पूर्ण घर के नवीनीकरण तक की परियोजनाएं शामिल हैं। यह प्रतिबद्धता हमारे मूल्यवान ग्राहकों की विविध आवश्यकताओं को समझने और उन्हें पूरा करने के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाती है । इसके साथ ही , जय ने बाजार विस्तार के लिए कंपनी के सक्रिय दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला और कहा, ठहम सक्रिय रूप से अपने बिक्री प्रतिनिधि नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं, कई बिक्री प्रतिनिधि एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। यह प्रयास हमें यूएसए के 42 राज्यों में अपनी पहुंच बढ़ाने में सक्षम बनाता है, जिससे हम देशभर में अपने ग्राहकों को बेहतर सेवा देने के लिए ठोस नेटवर्क को एक व्यापक और मजबूत को बढ़ावा दे सकें। एईपीसीएच दुनिया भर के विभिनन्न देशों में भारतीय हस्तशिल्प निर्यात को बढ़ावा देने और उच्च गुणवत्ता वाले हस्तशिल्प उत्पादों और सेवाओं के एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में विदेशों में भारत की छवि और होम,जीवनशैली,कपड़ा, फर्नीचर और फैशन आभूषण और सहायक उपकरण के उत्पादन में लगे क्राफ्ट क्लस्टर के लाखों कारीगरों और शिल्पकारों के प्रतिभाशाली हाथों के जादू की ब्रांड इमेज बनाने के लिए जिम्मेदार एक नोडल संस्थान है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान हस्तशिल्प निर्यात 30019.24 करोड़ रुपये (3728.47 मिलियन डॉलर) रहा इसमें अमरीका हस्तशिल्प निर्यात के सबसे बड़े निर्यातक स्थल के रूप में उभरा जहां 11035.61 करोड़ रुपए (1370.65 मिलियन डॉलर) मूल्य के हस्तशिल्प उत्पादों का निर्यात किया गया। आईईएमएल अंतर्राष्ट्रीय बी2बी प्रदर्शनियों, सम्मेलनों, सम्मेलनों, उत्पाद लॉन्च और प्रचार कार्यक्रमों के लिए एशिया का प्रमुख स्थल है, जिसमें 2.35 मिलियन वर्ग मीटर का परिसर है। यह अत्याधुनिक प्रदर्शनी और सम्मेलन सुविधाओं के साथ-साथ 1800 स्थायी व्यापार मार्टों का एक अनूठा संयोजन प्रस्तुत करता है। इसके अलावा, आईईएमएल आईएचजीएफ दिल्ली मेले की मेजबानी करता है, जो एशिया के सबसे बड़े हस्तशिल्प मेले में से एक है, जिसमें घर, जीवन शैली, फैशन, उपहार और एक्सेंट फर्नीचर का प्रदर्शन किया जाता है। एएक्सपो बाज़ार के बारे में: एक्सपो बाज़ार प्रीमियम घरेलू और जीवनशैली उत्पादों का एक अग्रणी क्यूरेटर है, जो उत्पादों के सावधानीपूर्वक चयन के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक समृद्धि को प्रदर्शित करने के लिए समर्पित है। यह प्लेटफ़ॉर्म, ठजस्ट इन टाइमठ स्थानीय डिलीवरी के लिए एक मॉडल वेयरहाउस से सुसज्जित है, जो 15 से ज्यादा श्रेणियों में वर्गीकृत हुआ है, जिसमें 500 से ज्यादा भारतीय ब्रांड और 7000 से अधिक उत्पादों का क्यूरेटेड चयन है।

संस्कृति और धर्म का पर्व, जब देश एकता के सूत्र में बंधता है

हर साल 14 जनवरी को धनु से मकर राशि व दक्षिणायन से उत्तरायण में सूर्य के प्रवेश के साथ यह पर्व संपूर्ण भारत सहित विदेशों में भी अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। पंजाब व जम्मू-कश्मीर में 'लोहड़ी' के नाम से प्रचलित यह पर्व भगवान बाल कृष्ण के द्वारा 'लोहिता' नामक राक्षसी के वध की खुशी में मनाया जाता है। इस दिन पंजाबी भाई जगह-जगह अलाव जलाकर उसके चहुंओर भांगड़ा नृत्य कर अपनी खुशी जाहिर करते हैं व पांच वस्तुएं तिल, गुड़, मक्का, मूंगफली व गजक से बने प्रसाद की अग्नि में आहुति प्रदान करते हैं।भारत देश में अलग-अलग त्योहारों को अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है। यहां लगभग हर दिन ही कोई न कोई त्योहार मनाया जाता है। लोग बड़े ही उत्साह और धूमधाम से इन पर्वों को मनाते हैं। जैसे- साल की शुरुआत हो चुकी है और आज देश मकर संक्रांति का त्योहार मना रहा है। इस पर्व को मनाने की अपनी मान्यताएं हैं और लोगों की आस्था भी कोई भी पर्व सिर्फ एक त्योहार के रूप में नहीं होता बल्कि, ये ही है जो लोगों को आपस में जोड़े रखता है और आपसी भाईचारे को भी बढ़ाता है। ऐसा ही कुछ मकर संक्रांति के त्योहार में भी नजर आता है। अगर यूं कहा जाए कि ये पर्व अनेकता में एकता का संदेश देना वाला पर्व है, तो शायद इसमें कोई दो राय न हो।हर साल 14 जनवरी को धनु से मकर राशि व दक्षिणायन से उत्तरायण में सूर्य के प्रवेश के साथ यह पर्व संपूर्ण भारत सहित विदेशों में भी अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। पंजाब व जम्मू-कश्मीर में 'लोहड़ी' के नाम से प्रचलित यह पर्व भगवान बाल कृष्ण के द्वारा 'लोहिता' नामक राक्षसी के वध की खुशी में मनाया जाता है। इस दिन पंजाबी भाई जगह-जगह अलाव जलाकर उसके चहुंओर भांगड़ा नृत्य कर अपनी खुशी जाहिर करते हैं व पांच वस्तुएं तिल, गुड़, मक्का, मूंगफली व गजक से बने प्रसाद की अग्नि में आहुति प्रदान करते हैं। वहीं देश के दक्षिणी इलाकों में इस पर्व को 'पोंगल' के रूप में मनाने की परंपरा है। फसल कटाई की खुशी में तमिल हिंदुओं के बीच हर्षोल्लास के साथ चार दिवस तक मनाये जाने वाले 'पोंगल' का अर्थ विप्लव या उफान है। इस दिन तमिल परिवारों में चावल और दूध के मिश्रण से जो खीर बनाई जाती है, उसे 'पोंगल' कहा जाता है इसी तरह गुजरात में मकर संक्रांति का ये पर्व 'उतरान' के नाम से मनाया जाता है, तो महाराष्ट्र में इस दिन लोग एक-दूसरे के घर जाकर तिल और गुड़ से बने लड्डू खिलाकर मराठी में 'तीळ गुळ घ्या आणि गोड गोड बोला' कहते हैं। जिसका हिन्दी में अर्थ होता है तिल और गुड़ के लड्डू खाइए और मीठा-मीठा बोलिए। वहीं असम प्रदेश में इस पर्व को 'माघ बिहू' के नाम से जाना जाता है इसी तरह प्रयागराज में माघ मेले व गंगा सागर मेले के रूप में मनाए जाने वाले इस पर्व पर 'खिचड़ी' नामक स्वादिष्ट व्यंजन बनाकर खाने की परंपरा है। जनश्रुति है कि शीत के दिनों में खिचड़ी खाने से शरीर को नई ऊर्जा मिलती है। मकर संक्रांति को मनाने के पीछे अनेक धार्मिक कारण भी हैं। इसी दिन गंगा भागीरथ के पीछे चलकर कपिल मनु के आश्रम से होते हुए सागर में जा मिली थीं।

इस दिन भीष्म पितामह ने सूर्य के उत्तरायण की दिशा में गमन के साथ ही स्वेच्छा से अपना देह त्यागा था।यह दिन श्रद्धा, भक्ति, जप, तप, अर्पण व दान-पुण्य का दिन माना जाता है। हिंदू धर्मावलंबियों के लिए मकर संक्रांति का महत्व वैसा ही जैसा कि वृक्षों में पीपल, हाथियों में ऐरावत और पहाड़ों में हिमालय का है। भले मकर संक्रांति का पर्व देश के विभिनन्न प्रदेशों में अलग-अलग नामों से मनाया जाता हों पर इसके पीछे समस्त लोगों की भावना एक ही है तिल और गुड़ के व्यंजन हमें एक होने का संदेश देते हैं। वहीं नीले आकाश में शीतल वायु के संग उड़ती पतंग मानवीय यथार्थ से रू-ब-रू करवाती है। इंसान को शिखर पर पहुंच कर भी अभिमान नहीं करना चाहिए, यह पतंग भलीभांति समझाती है। जिस प्रकार पतंग भले कितनी ही क्यों न ऊंचे आकाश में उड़े पर उसे खींचने वाली डोर इंसान के हाथ में ही रहती है वैसे ही इंसान भी भले कितना ही अकूत धन-दौलत के अभिमान की हवा के बूते विलासिता व ऐश्वर्य के आसमान में उड़े, लेकिन उसके सांसों की डोर भी परमपिता परमेश्वर अविनाशी के हाथों में ही रहती है। पतंग हो या इंसान, दोनों का माटी में विलीन होना तय है, इसलिए इंसान को भूलकर भी अपने जड़ों और संस्कारों से दूर होकर कोई भी अमानवीय कृत्य नहीं करना चाहिए।मकर संक्रांति के दौरान लोगों में पतंगबाजी का उल्लास चरम पर होता है। देश में प्रतिवर्ष मकर संक्रांति के त्योहार के एक महीने पहले ही पतंगबाजी का सिलसिला प्रारंभ हो जाता है। शीतलहर के साथ पतंगबाजी का लुत्फ़ उठाने को लेकर बच्चों के साथ बड़े भी अपने को रोक नहीं पाते हैं इस दौरान बाजार भी पतंगों से गुलज़ार होने लग जाते हैं। लेकिन हर साल पतंगबाजी के दरमियान जो चिंताजनक पहलू निकल कर सामने आता है वो है चाइनीज मांझे के कारण बेजुबान पक्षियों की होने वाली मौतें। हालांकि, पिछले साल नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने देशभर में पतंग उड़ाने के लिए इस्तेमाल होने वाले नायलॉन और चाइनीज मांझे की खरीद फरोख्त, स्टोरेज और इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी।एनजीटी ने यह रोक ग्लास कोटिंग वाले कॉटन मांझे पर भी लगाई थी और अपने आदेश में सिर्फ सूती धागे से ही पतंग उड़ाने की इजाजत दी थी। लेकिन, इसके बावजूद बाजारों में अवैध तरीके से चाइनीज मांझे की धड़ल्ले से बिक्री देखी जा सकती है। दरअसल, चाइनीज मांझे को बनाने में कुल पांच प्रकार के केमिकल और अन्य धातुओं का प्रयोग किया जाता है। इनमें सीसा, वजरम नामक औद्योगिक गोंद, मैदा फ्लौर, एल्युमीनियम ऑक्साइड और जिरकोनिया ऑक्साइड का प्रयोग होता है इन सभी चीजों को मिक्स करके कांच के महीन टुकड़ों से रगड़कर तेज धार वाला चाइनीज मांझा तैयार किया जाता है। जिसके संपर्क में आते ही पतंगे कट जाती हैं। जहां एक ओर चाइनीज मांझा आकाश में उन्मुक्त उड़ान भरने वाले पक्षियों की राह में रोड़ा बनकर उनके प्राण छीनता है, तो दूसरी ओर इसके कारण वाहन हादसे भी अंजाम लेते हैं। वहीं पतंगबाजी करने वाले लोगों के हाथों की अंगुलियां व चेहरा भी चाइनीज मांझा के कारण जख्मी हो जाता है। हमें सोचना चाहिए कि पक्षियों की हमारी तरह दुनिया, बच्चे व परिवार होता है। वे सुबह दाने की तलाश में अपनी उड़ान भरते हैं और शाम को अपने घोंसले में वापस लौटकर आते हैं। बच्चे उनकी प्रतीक्षा में होते हैं। लेकिन किसी रोज हमारे द्वारा चाइनीज मांझे से की जा रही पतंगबाजी के कारण उनका अपने बच्चों के पास लौटना तो दूर तलक उनके मरने की कोई खबर भी उन तक नहीं पहुंच पाती है। वहीं कई पक्षी चाइनीज मांझे की चपेट में आकर धरती पर घंटों-घंटों तक तड़पते रहते हैं, उनकी इस स्थिति में सुध लेने वाला भी कोई नहीं होता है। जहां हमारी भारतीय संस्कृति में पशु-पक्षियों के संरक्षण की परंपरा रही है इस कारण हम अलसुबह उठकर चबूतरे पर पक्षियों के लिए दाना और पानी देने को अपना पुण्य समझते हैं। वहीं हमें सोचना चाहिए कि हम चाइनीज मांझे की डोर से पतंगबाजी करके कई पक्षियों की जान लेकर अपने पुण्य पर पानी तो नहीं फेर रहे हैं उआवश्यकता है कि प्रशासन चाइनीज मांझे की हो रही गैर-कानूनी बिक्री को लेकर अपनी कार्यवाही तेज करें। ऐसे दुकानदारों पर तुरंत शिकंजा कसें, जो नियमों की सीमा लांघकर अवैध रूप से चाइनीज मांझे का व्यापार करते हैं। जरूरत है कि पतंगबाजी सामूहिक रूप से किसी खुले मैदान में एक निश्चित समय सीमा में हो, ताकि पक्षियों की हंसती खिलखिलाती दुनिया सलामत रह सकें और मनुष्य पुण्य के पर्व के दिनों में पाप का भागीदारी होने से बच सके। हमें मकर संक्रांति को पतंगबाजी व तिल और गुड़ के स्वादिष्ट व्यंजनों तक ही सीमित न रखकर इस पावन पर्व पर आपसी रंजिश और बैर मिटाकर प्रेम, सन्हे, भाईचारे व अपनत्व के साथ रहते हुए हिंदू-मुस्लिम का भेद भुलाकर अनेकता में एकता की मिसाल संपूर्ण जगत में दीप्तिमान् करनी होगी। तभी जाकर हम सच्चें मायनों में मकर संक्रांति के पर्व की महत्ता सिद्ध कर पाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

धुंध और खराब मौसम के कारण हवाई सेवाएं प्रभावित, 44 उड़ानों की लैंडिंग में हुई देरी; कई उड़ानें डायवर्ट

(आधुनिक समाचार सेवा)

बेंगलुरु। यहां एक अधिकारी ने कहा कि कई शहरों में खराब मौसम के कारण रविवार को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 44 उड़ानों की

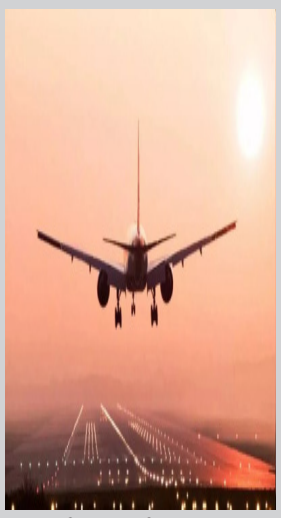

रवानगी में देरी हुई। हवाई अड्डे के अधिकारी के अनुसार, केआईए बेंगलुरु में धुंध की मोटी परत के कारण शहर के हवाई अड्डे पर कुछ उड़ानों की लैंडिंग में देरी हुई यहां एक अधिकारी ने कहा कि कई शहरों में खराब मौसम के कारण रविवार को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 44 उड़ानों की रवानगी में देरी हुई। हवाई अड्डे के अधिकारी के अनुसार केआईए बेंगलुरु में धुंध की मोटी परत के कारण शहर के हवाई अड्डे पर कुछ उड़ानों की लैंडिंग में देरी हुई अधिकारी ने बताया कि नतीजतन, 44 उड़ानों की रवानगी में देरी हुई जिसका कारण बेंगलुरु समेत कई शहरों में खराब मौसम रहा। इन 44 में से सात उड़ानें दिल्ली के लिए थी जबकि एक उड़ान को चेनन्ई से बेंगलुरु की ओर भेजा गया है। उत्तर भारत के कई इलाके में रविवार को कोहरे की परत छाई रही और कई स्थानों पर दृश्यता शून्य मीटर रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने लोगों को अनावश्यक यात्रा से बचने और वाहन चलाते समय सावधानी बरतने की सलाह दी है।

आर्य समाज अवंतिका का वार्षिकोत्सव धूमधाम से सम्पन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। गाजियाबाद आर्य समाज अवंतिका का 16 वाँ दो दिवसीय भव्य वार्षिकोत्सव व मकर संक्रांति पर्व धूमधाम से सम्पनन्हुआ।मध्य प्रदेश से पधारे आचार्य योगेश जी

के ब्रह्मत्व में पंच कुण्डीय महायज्ञ सम्पनन्हुआ,यज्ञोप्रान्त यज्ञमानों को आशीर्वाद के पश्चात आचार्य जी ने बताया कि परमात्मा संसार के कण कण में व्यापक है, सर्वांतर्यामी है,घट घट वासी है, सृष्टि का निर्माता,पालन,संहार कर्ता,कर्मफल प्रदाता एवं ज्ञान प्रदाता है।पुण्य कर्म पर आत्मिक आह्लाद,बुरे कर्म पर भय,शंका, लज्जा के संकेत उसकी ओर से होते हैं,हर वक्त बन के साथी रहता है साथ सबके,वह एक है,ऐसा मानने से मानव अनुशासन में रहता है।उन्होंने आगे कहा कि परिवार की उनन्ति संस्कारों से होगी।हम सनातनी हैं,मनु स्मृति घर में रखो। मेरठ से पधारे सुप्रसिद्ध भजनोपदेशक पंडित कुलदीप आर्य,नरेश चन्द्र आर्य एवं साथी कलाकारों के आधुनिक साजबाज पर ईश्वर भक्ति के भजनों को सुनकर श्रोता झूम उठे। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान एवं समारोह के मुख्य वक्ता स्वामी आर्यवेश ने आयोजकों को सार्वजनिक स्थान पर कार्यक्रम करने हेतु साधुवाद देते हुए कहा कि आर्य समाज की वेदी पर विचार तर्क से ओतप्रोत होते है।स्वामी दयानन्द और सत्यार्थ प्रकाश से हजारों लोगों ने प्रेरणा लेकर जीवन बदले।उन्होंने कहा 200 वीं जयंती पर दयानंद के सन्देश को आम आदमी तक पहुंचाएं।वर्ण आश्रम व्यवस्था को लागू कर देश विश्वगुरु के गौरव प्राप्त होगा,हम दयानंद के उपकारों को भुला नहीं सकते वह नए युग का सूत्रपात करके गए है, वह सम्पूर्ण क्रांति के पुरोधा थे।स्वामी दयानंद ने कहा था विदेशी राजा कितना ही अच्छा क्यों ना हो लेकिन स्वदेशी राजा से अच्छा नहीं ही सकता। समारोह में शहीद प्रदीप कुमार की पतने श्रीमती परमिष्ठा जी को शाल ओढ़ाकर,स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया एवं स्थानीय पार्षद मनोज त्यागी ने कहा कि शहीद प्रदीप कुमार के नाम से रोड बनाने का प्रस्ताव भी सरकार को भेजा है। आर्य समाज द्वारा झुग्गी झोपड़ी के निर्धन बच्चों हेतु निःशुल्क संचालित दयानन्द विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा वैदिक संध्या मंत्रों एवं भजनों का प्रस्तुतिकरण आकर्षण का केन्द्र रहे। प्रधान वेद प्रकाश तोमर ने कहा कि 500 वर्षों की तपस्या रंग लाई है जो अयोध्या में श्रीराम मन्दिर बन उद्घाटन हो रहा है,उन्होंने बताया कि समस्त आर्य बंधु,आर्य समाजें 22 जनवरी को दीपावली के रूप में मनाएंगे।यज्ञ योग कार्यशाला ने सर्दी से राहत हेतु गरीबों को कम्बल बांटे। इस अवसर पर मुख्य रूप से सर्वश्री स्वामी ब्रह्मा नन्द,प्रमोद शास्त्री, आलोक राघव,राजीव गुलाटी,कृपाल वर्मा,संजय आर्य,स्वदेशी आयुर्वेद के निर्देशक डॉ आर के आर्य,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष प्रवीण आर्य,सत्यवीर चौधरी, नरेन्द्र पांचाल,सन्त लाल मिश्र, सत्यपाल आर्य,भोपाल आर्य, सुभाष गर्ग,हरवीर सिंह,सुरेन्द्र सिंह,श्रीमती प्रतिभा सिंघल, आशा रानी उपस्थित रहे। मंच का कुशल सञ्चालन वेद प्रकाश तोमर ने किया उन्होंने दूर दराज से पधारे आर्य प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।शांतिपाठ व कम्बल व खिचड़ी वितरण के साथ कार्यक्रम सम्पनन् हुआ।

समाजवादी पार्टी नोएडा विधानसभा की मासिक बैठक

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। नोएडा समाजवादी पार्टी नोएडा विधानसभा की मासिक बैठक सेक्टर 51 स्थित होशियारपुर गांव में हुई। बैठक की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष बबलू चौहान ने की एवं संचालन वरिष्ठ नेता राघवेन्द्र दुबे ने किया। बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव

की रणनीति पर चर्चा की गई एवं बूथ प्रभारियों की सक्रिय भूमिका के महत्व को रेखांकित किया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष बबलू चौहान ने कहा कि लोकसभा चुनाव नजदीक है और बीजेपी ध्रुवीकरण का खेल खेलने में लग गई है। वह राम मंदिर के मुद्दे को भुनाने में लग गई है जबकि भगवान राम तो सबके आराध्य है। आप सभी अपने अपने बूथ पर मेहनत करें और अपने अपने बूथों को जिताने का लक्ष्य तय करें। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राघवेन्द्र दुबे ने कहा कि बेरोजगारी चरम पर है और अभी जो दिसंबर में बेरोजगारी के आंकड़े आते उसमे 20 से 24 वर्ष के युवा 44 प्रतिशत बेरोजगार है वहीं 25 से 29 वर्ष के युवा 15.5 प्रतिशत युवा बेरोजगार है। किसानों की आमदनी दोगुनी करने का वादा था, दो करोड़ नौकरी हर साल देने का वादा था, महंगाई कम करने का वादा था,कलाधन वापस लाने का वादा था लेकिन सभी वादे हवा हवाई साबित हुए। अब जनता ने इन्हें सत्ता से बेदखल करने का मन बना लिया है। महानगर महासचिव विकास यादव ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में जनता अखिलेश यादव की तरफ आशा भरी निगाह से देख रही है। भाजपा विकास के नाम पर चुनाव नहीं लड़ सकती इसलिए ध्रुवीकरण की राजनीति को हवा दे रही है। मोदी सरकार के दस साल में देश विकास की दौड़ में पिछड़ गया है। इस अवसर पर भीष्म यादव, सुरेंद्र गौतम, मनोज गोयल, प्रवीण शर्मा, रंजीत पटेल, संजय धींगान, प्रमोद यादव, राजेश महाले, प्रीतम सिंह, उदयवीर प्रधान, सौरव चौहान, सतवीर यादव, सतेंद्र कुमार, नीतू सिंह, दीपक सिंह, रोहित यादव, दिलीप कुमार राय, खेमचंद, जितेंद्र कुमार, शाहरुख सैफी, संतोष यादव सहित तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

किसान सभा के आह्वान पर 30 जनवरी 2024 को फिर ग्रैनो प्राधिकरण पर प्रदर्शन करेंगे किसान

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। नोएडा किसान सभा गौतम बुद्धनगर जिला कमेटी की मीटिंग में 30 जनवरी को हजारों की संख्या में प्राधिकरण पर आंदोलन की घोषणा-सवीत्तम बिल्डर के विरुद्ध धरना प्रदर्शन में हिस्सा लेकर समर्थन दिया-किसान सभा की जिला कमेटी ने मीनू लोहिया उषा

देवी और प्रशांत भाटी को जिला सचिव के पद पर सर्वसम्मति से चुना गया-आज अखिल भारतीय किसान सभा गौतम बुद्ध नगर की जिला कमेटी की आवश्यक मीटिंग जैतपुर ऑफिस पर आयोजित की गई मीटिंग की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष डॉ रूपेश ने की संचालन महासचिव जगबीर नंबरदार ने किया। मीटिंग में सर्वसम्मति से मीन लोहिया उषा देवी और प्रशांत भाटी को जिला सचिव पद पर चुना गया। मीटिंग में 22 जनवरी को पहले से घोषित आंदोलन की तारीख पर पुनर्विचार किया गया उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सार्वजनिक अवकाश की घोषणा को देखते हुए आंदोलन की तारीख 30 जनवरी तय की गई है हर गांव में सदस्यता नवीनीकरण जनसभा का आयोजन कर आंदोलन की जबरदस्त तैयारी की जाय जिसके उपरांत किसान सभा की जिला कमेटी के साथी सवीत्तम बिल्डर ग्रुप पर चल रहे प्रदर्शन में शामिल हुए। जिला कमेटी की मीटिंग को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष डॉक्टर रुपेश वर्मा ने कहा कि हमारी 27 गांवों में मजबूत कमेटियां है 4500 की सदस्यता है हमारा लक्ष्य की इस साल सदस्यता 10000/ को पार हो। आबादी प्लाट एवं नये कानून को लागू करने की मांगें जिसका प्रस्ताव अभी हाल ही में संपनन्हुई बोर्ड बैठक में अनुमोदित किया है को शासन से अनुमोदित किया जाए अन्यथा प्राधिकरण का घेराव कर प्राधिकरण को बंद करने का कार्य किया जाएगा। आज की मीटिंग में निशांत रावल अजीपाल भाटी भोजराज रावल पप्पू ठेकेदार नेतराम महेश प्रजापति दुष्यंत सेन अजब सिंह नेताजी विनोद सरपंच निरंकार प्रधान सुरेंद्र पंडित जी विजय यादव सेल यादव मुकुल यादव अंकित यादव राजे यादव संजय यादव मोहित यादव मोहित भाटी सतीश यादव जोगेंद्री देवी अशोक भाटी मोहित भाटी बाबा संतराम बाबा नेतराम अमित भाटी मुकेश खेड़ी सुशील सुनपुरा अजब सिंह सिलारपुर मोनू नागर नरेश नगर करतार सिंह नागर। भवदीय, डॉक्टर रुपेश वर्मा, अध्यक्ष, अखिल भारतीय किसान सभा, गौतम बुद्ध नगर।

27 गांवों में मजबूत कमेटियां है 4500 की सदस्यता है हमारा लक्ष्य की इस साल सदस्यता 10000/ को पार हो। आबादी प्लाट एवं नये कानून को लागू करने की मांगें जिसका प्रस्ताव अभी हाल ही में संपनन्हुई बोर्ड बैठक में अनुमोदित किया है को शासन से अनुमोदित किया जाए अन्यथा प्राधिकरण का घेराव कर प्राधिकरण को बंद करने का कार्य किया जाएगा। आज की मीटिंग में निशांत रावल अजीपाल भाटी भोजराज रावल पप्पू ठेकेदार नेतराम महेश प्रजापति दुष्यंत सेन अजब सिंह नेताजी विनोद सरपंच निरंकार प्रधान सुरेंद्र पंडित जी विजय यादव सेल यादव मुकुल यादव अंकित यादव राजे यादव संजय यादव मोहित यादव मोहित भाटी सतीश यादव जोगेंद्री देवी अशोक भाटी मोहित भाटी बाबा संतराम बाबा नेतराम अमित भाटी मुकेश खेड़ी सुशील सुनपुरा अजब सिंह सिलारपुर मोनू नागर नरेश नगर करतार सिंह नागर।

बिसरख नोएडा किसान सभा के आह्वान पर 30 जनवरी 2024 को फिर ग्रैनो प्राधिकरण पर प्रदर्शन करेंगे किसान

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। किसान सभा गौतमबुद्धनगर जिला कमेटी की मीटिंग में 30 जनवरी को हजारों की संख्या में प्राधिकरण पर आंदोलन की घोषणा-सवीत्तम बिल्डर के विरुद्ध धरना प्रदर्शन में हिस्सा लेकर समर्थन दिया-किसान सभा की जिला कमेटी ने मीनू लोहिया उषा देवी और प्रशांत भाटी को जिला सचिव के पद पर सर्वसम्मति से चुना गया-आज अखिल भारतीय किसान सभा गौतम बुद्ध नगर की जिला कमेटी की आवश्यक मीटिंग जैतपुर ऑफिस पर आयोजित की गई मीटिंग की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष डॉ रूपेश ने की संचालन महासचिव जगबीर नंबरदार ने किया। मीटिंग में सर्वसम्मति से मीन लोहिया उषा देवी और प्रशांत

भाटी को जिला सचिव पद पर चुना गया। मीटिंग में 22 जनवरी को पहले से घोषित आंदोलन की तारीख पर पुनर्विचार किया गया उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सार्वजनिक अवकाश की घोषणा को देखते हुए आंदोलन की तारीख 30 जनवरी तय की गई है आंदोलन के लिए सर्वसम्मति से हजारों की संख्या में तैयारी कर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन तालाबंदी का निणय्य लिया गया है किसान सभा ने जिला कमेटी में सर्वसम्मति से निणय्य लिया है हर गांव में सदस्यता नवीनीकरण जनसभा का आयोजन कर आंदोलन की जबरदस्त तैयारी की जाय जिसके उपरांत किसान सभा की जिला कमेटी के साथी सवीत्तम बिल्डर ग्रुप पर चल रहे प्रदर्शन में शामिल हुए। जिला कमेटी की मीटिंग को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष डॉक्टर रुपेश वर्मा ने कहा कि हमारी 27 गांवों में मजबूत कमेटियां है 4500 की सदस्यता है हमारा लक्ष्य की इस साल सदस्यता 10000/ को पार हो। आबादी प्लाट एवं नये कानून को लागू करने की मांगें जिसका प्रस्ताव अभी हाल ही में संपनन्हुई बोर्ड बैठक में अनुमोदित किया है को शासन से अनुमोदित किया जाए अन्यथा प्राधिकरण का घेराव कर प्राधिकरण को बंद करने का कार्य किया जाएगा। आज की मीटिंग में निशांत रावल अजीपाल भाटी भोजराज रावल पप्पू ठेकेदार नेतराम महेश प्रजापति दुष्यंत सेन अजब सिंह नेताजी विनोद सरपंच निरंकार प्रधान सुरेंद्र पंडित जी विजय यादव सेल यादव मुकुल यादव अंकित यादव राजे यादव संजय यादव मोहित यादव मोहित भाटी सतीश यादव जोगेंद्री देवी अशोक भाटी मोहित भाटी बाबा संतराम बाबा नेतराम अमित भाटी मुकेश खेड़ी सुशील सुनपुरा अजब सिंह सिलारपुर मोनू नागर नरेश नगर करतार सिंह नागर।

पूर्व जिलाधिकारी ने किया पुस्तकालय का शुभारम्भ

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। नोएडा गाँव के बच्चों के लिए अंग्रेजी बोलने और सीखने के लिए सोरखा खेल मैदान में स्थित हरित उपवन में बच्चों के लिए लाइब्रेरी व कक्षा की शुरुआत की गई

है।जिसका शुभारम्भ आज आईएएस बी.एन सिंह विशेष सचिव व परिवर्तन (पीपल बाबा) ने अपने हाथों से फीता काटकर किया। सौहरखा निवासी रवि यादव ने बताया कि यहा सिफ्ट में 3 कक्षा चलायी जाएगी। इसमें 130 बच्चों एवम युवाओं ने हिस्सा लिया हरित उपवन में लाइब्रेरी शुरू की गई है व अनुभवी शिक्षक एवम वोलिंयटरस के सहयोग से बच्चों को खेल व पर्यावरण के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस मौके पर लाइब्रेरी मेन रामवीर तवंर,वरिष्ट वैज्ञानिक अनिल यादव, फोनरवा कोषाध्यक्ष पवन यादव,इन्द्रजित पहलवान, कर्मवीर गुर्जर,स्वेता यादव,गरिमा त्रिपाठी, जय यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

नव उर्जा संस्था ने समाजसेवी महिलाओं को सम्मानित किया

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। नोएडा नव ऊर्जा संस्था की ओर से एक शाम सम्मानित महिलाओं के नाम 2024 के दौरान क्षेत्र में उच्चतम कार्य कर रहे समाज सेवकों को प्रोत्साहित किया । यह संस्था समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को चिन्हित कर उन्हें उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित करता है। इसी कड़ी में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष विमला बाथम ने उज्जवल उनन्ति फाउंडेशन की संस्थापक दीपा देवी को उनके सर्वोच्च कार्य के लिए मोमेंटो देकर प्रोत्साहित किया गया।

क्रिस्टोफर नोलन बने बेस्ट डायरेक्टर पॉल जियामाटी बेस्ट एक्टर-एक्ट्रेस

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। हॉलीवुड में अलग-अलग कैटेगरी के लिए अवॉर्ड्स का सिलसिला शुरू हो चुका है। 81वें गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड के बाद अब बारी है 29वें क्रिटिक्स च्वाइस अवॉर्ड की। 14 जनवरी (भारतीय समय के अनुसार 15 जनवरी) को अमेरिका के सैंटा मोनिका में आयोजित किया गया क्रिटिक्स च्वाइस अवॉर्ड में इस बार रायन गोसलिंग और मार्गी रॉबी की फिल्म 'बार्बी' का रहा। इस फिल्म ने 18 नॉमिनेशन्स अपने नाम किए हैं। इसके बाद फिल्म 'पुअर थिंग्स' और 'ओपेनहाइमर' को 13-13 नॉमिनेशन्स मिले। वहीं, क्राइम ड्रामा फिल्म 'किलर्स ऑफ द फ्लावर मून' को 12 कैटेगरी में नॉमिनेट किया गया। आइये जानते हैं कि कुल नॉमिनेशन्स में किसने मारी बाजी।

13-13 कैटेगरी में नॉमिनेट किया गया। इसके अलावा क्राइम ड्रामा फिल्म किलर्स ऑफ द फ्लावर मून को 12 कैटेगरी में नॉमिनेट किया गया। क्रिटिक्स च्वाइस अवॉर्ड अमेरिका के सैंटा मोनिका में ओपेनहाइमर और पुअर थिंग्स को

मैं जा रही तेरी जिंदगी से गंदी लड़ाई के बाद अंकिता लोखंडे तोड़ेंगी पति विक्की से नाता

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। विवादित रियलिटी शो 'बिग बॉस 17' में अंकिता लोखंडे और विक्की जैन का रिश्ता खूब चर्चा में है। बीते दिनों विक्की जैन 17' के अपकमिंग एपिसोड का प्रोमो आउट हो गया है। वीडियो में दिखाया गया कि अंकिता और विक्की के बीच गंदे बर्तन की वजह से लड़ाई हुई। अंकिता पति से कहती

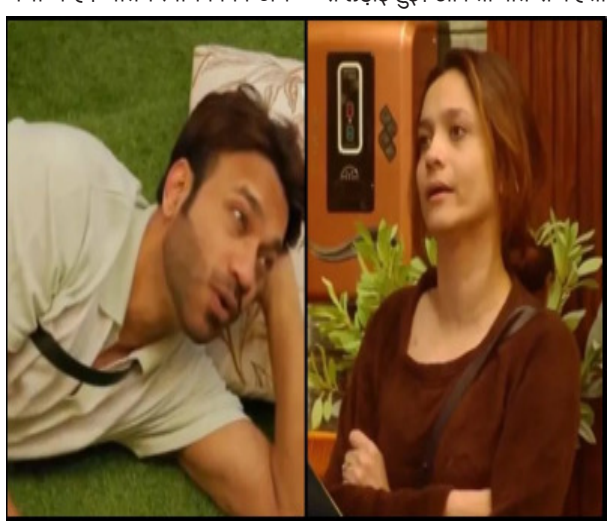

की मां भी आई थीं, जिनका अंकिता के साथ रवैया कई लोगों को रास नहीं आया था। फिर करण जौहर ने भी विक्की को अंकिता का साथ न देने पर क्लास लगाई थी। विवादित रियलिटी शो बिग बॉस सीजन 17 में अंकिता लोखंडे और विक्की जैन अपने झगड़ों की वजह से खूब ध्यान खींच रहे हैं। दोनों के बीच आए दिन लड़ाई होते रहते हैं। अब एक बार पति-पत्नी के बीच गंदी बहस हो गई। विक्की ने अंकिता को खरी-खोटी सुनाई और फिर एक्ट्रेस ने उनकी जिंदगी से चले जाने की बात कही। वीकेंड का वार में करण जौहर ने विक्की जैन को समझाया था, लेकिन इसके बावजूद लगता है कि उनके बॉन्ड में कोई बदलाव नहीं दिख रहा है। एक बार फिर पति-पत्नी के बीच तू-तू मैं-मैं हो गई। 'बिग बॉस 17' के अपकमिंग एपिसोड में दोनों बर्तन की वजह से लड़ते हुए दिखाई देंगे। बर्तन पर अंकिता-विक्की के बीच खिटपि 'बिग बॉस हैं कि उन्होंने अपने बर्तन अभी तक नहीं धुले हैं, जिससे विक्की झल्ला जाते हैं। विक्की ने अंकिता को ताना मारते हुए कहा, आप मुझे बोल क्यों रही हो। अब आप कैप्टन नहीं हो।विक्की जैन की इस बात पर अंकिता ने कहा, यह बात करने का कौन सा तमीज है। इसके बाद दोनों के बीच गंदी लड़ाई हो जाती है। विक्की ने कहा कि उन्होंने लाइन क्रॉस कर दी है। इसलिए वह अब उनसे अच्छे से बात करने की कोई उम्मीद न करें। विक्की के इस बिहेवियर से अंकिता परेशान हो जाती हैं। उन्होंने पति से कहा, आजकल पता नहीं आपको क्या हो गया है। आप सिर्फ झगड़ते हैं।विक्की ने कहा कि अंकिता बार-बार उन्हें एंबैरेस्ड करती हैं। इसके बाद अंकिता ने विक्की से हाथ जोड़कर माफी मांगी और कहा, मैं अब आपसे कभी बात नहीं करूंगी। मैं जा रही हूं तेरी जिंदगी से। अब तू देख ले, तुझे क्या करना है।

क्लिक शंकर में पुलिस अधिकारी की भूमिका में दिखाई देंगे सैफ अली खान, इस साल नवाब के कई प्रोजेक्ट रिलीज होने की कतार में

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। अभिनेता सैफ अली खान के लिए यह साल खास होने वाला है। उन्होंने साल की शुरुआत फिल्ममेकर सिद्धार्थ आनंद के बैनर तले बन रही थ्रिलर फिल्म की शूटिंग से की है। उनकी दो फिल्में

देवारा पार्ट 1 और कर्तव्य इस साल रिलीज होंगी। देवारा में उनके साथ दक्षिण भारतीय अभिनेता जूनियर एनटीआर प्रमुख भूमिका में होंगे। जबकि कर्तव्य शाह रुख खान के बैनर तले बन रही है। सैफ अली खान ने अब जंगली पिक्चर्स के साथ फिल्म क्लिक शंकर साइन की है। तमिल फिल्म निर्माता बालाजी मोहन इस फिल्म के साथ हिंदी सिनेमा में पदार्पण करेंगे। वह धनुष अभिनीत मारी फ्रेंचाइजी के निर्देशन के लिए प्रख्यात हैं। क्लिक शंकर की परिकल्पना फ्रेंचाइजी के रूप में की गई है। फिल्म में सैफ शंकर रेबेरो की भूमिका निभाएंगे जो बेहद बुद्धिमान लेकिन परेशान इंस्पेक्टर है। वहीं खबर है कि उन्होंने अब जंगली पिक्चर्स के साथ फिल्म क्लिक शंकर साइन की है। तमिल फिल्म निर्माता बालाजी मोहन इस फिल्म के साथ हिंदी सिनेमा में पदार्पण करेंगे। वह धनुष अभिनीत मारी फ्रेंचाइजी के निर्देशन के लिए प्रख्यात हैं। क्लिक शंकर की परिकल्पना फ्रेंचाइजी के रूप में की गई है। फिल्म में सैफ शंकर रेबेरो की भूमिका निभाएंगे, जो बेहद बुद्धिमान, लेकिन परेशान इंस्पेक्टर है। उसकी याददाश्त जबरदस्त है। यह उसके लिए वरदान और अभिशाप दोनों है। उनके पात्र में एक विलक्षण गुण है जो उन्हें अपने जीवन की हर घटना को याद रखने में सक्षम बनाती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि अतीत कभी भी उनके पीछे नहीं है। यह फिल्म शंकर के एक रहस्य को उजागर करने के इर्द-गिर्द घूमती है जो उसकी बुद्धि और फोटोग्राफिक स्मृति को चुनौती देती है। सूत्रों के मुताबिक क्लिक शंकर में रहस्य, हास्य और भावनाओं का समुचित मिश्रण है। यह सैफ द्वारा पहले निभाई गई पिछली सभी भूमिकाओं से भिन्न है। वह इस फिल्म की शूटिंग आगामी मई से शुरू करेंगे।

महेश बाबू की 'गुंटूर कारम' पर नोटों की बारिश, संडे को खाते में आए इतने करोड़

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। फिल्म 'सरकारु वारी पाता' की सक्सेस के बाद महेश बाबू 2024 में 'गुंटूर कारम' लेकर आए, जो इस वक्त बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है। महेश बाबू स्टारर फिल्म गुंटूर कारम ने साल की शुरुआत धमाकेदार ओपनिंग

के साथ की। सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म ने तीन दिनों 60 करोड़ से ज्यादा का कारोबार कर लिया है। शुक्रवार और शनिवार को ताबड़तोड़ नोट छापने के बाद गुंटूर कारम ने रविवार को भारत में कितना कारोबार किया है। जानिए यहां। त्रिविक्रम श्रीनिवास के निर्देशन में बनी तेलुगु एक्शन थ्रिलर 'गुंटूर कारम' 12 जनवरी को दुनियाभर के थिएटर्स में रिलीज हुई। महेश बाबू ने फिल्म में मुख्य भूमिका निभाई है। इसके ट्रेलर ने दर्शकों के बीच ऐसी छाप छोड़ी कि रिलीज होते ही थिएटर्स दर्शकों से फुल हो गए। पहले दिन मूवी ने 40 करोड़ के साथ खाता खोला था। 'कैप्टन मिलर', 'मैरी क्रिसमस' और 'हनु मैन' जैसी फिल्मों के साथ रिलीज हुई 'गुंटूर कारम' ने 41.3 करोड़ के साथ ओपनिंग की थी। शनिवार को कमाई में गिरावट आई थी, लेकिन फिर भी फिल्म ने अच्छी खासी कमाई कर ली थी। शनिवार को कारोबार 13 करोड़ था। बात करें रविवार की तो शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, भारत में 'गुंटूर कारम' के बिजनेस में बढ़ोतरी हुई है। सैकनिल्क की मानें तो फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर तीसरे दिन 14.25 करोड़ का बिजनेस किया है। तीन दिनों में फिल्म ने कुल 69.10 करोड़ कमा लिए हैं। इस हफ्ते तक फिल्म के 100 करोड़ क्लब में शामिल होने के आसार नजर आ रहे हैं। गुंटूर कारम कास्ट और कहानी 'गुंटूर कारम' की कहानी गुंटूर शहर के अंडरवर्ल्ड के राजा की कहानी है, जिसे एक ऐसी लड़की से प्यार हो जाता है जो पत्रकार होती है और शहर में हो रहे अवैध गतिविधियों को उजागर करती है। फिल्म में महेश बाबू के साथ श्रीलाला, मीनाक्षी चौधरी, जगपति बाबू, राम्या कृष्णा, प्रकाश राज और मुकेश ऋषि ने मुख्य भूमिका निभाई है। फिल्म का निर्माण एस. राधा कृष्णा, सूर्यदेवरा नागा वामसी ने किया है, जबकि निर्देशन का जिम्मा त्रिविक्रम श्रीनिवास के हाथों में था।

बॉक्स ऑफिस पर फूली 'सालार' की सांसें, वीकेंड पर कलेक्शन धड़ाम, लाख में पहुंचा बिजनेस

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बॉक्स ऑफिस पर प्रभास की फिल्म सालार के लिए बिजनेस अब मुश्किल हो गया है। रिलीज के बाद फिल्म ने बुलेट ट्रेन की स्पीड में कलेक्शन किया। चंद दिनों में

100 और फिर 200 करोड़ क्लब में एंट्री भी कर गई। हालांकि, अब बिजनेस मंद पड़ गया है। 24 सालार ने पहले वीकेंड पर ही 200 करोड़ क्लब में एंट्री कर ली। इसके बाद सालार को 300 करोड़ क्लब में भी एंट्री मिल गई। इसके अलावा सालार साल 2023 की सबसे बड़ी ओपनिंग करने वाली फिल्मों की लिस्ट में भी शामिल है। हालांकि अब फिल्म को ठीक- ठाक बिजनेस करने के लिए भी जद्दोजहद करना पड़ रही है। सालार के लिए वीकेंड भी कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाया। नौबत ये आ गई कि फिल्म करोड़ से अब लाख में बिजनेस कर रही है। सालार साल 2023 की सबसे बड़ी ओपनिंग करने वाली फिल्मों की लिस्ट में शामिल है। पहले दिन प्रभास की फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 90 करोड़ के साथ खाता खोला था। वहीं, पहले वीकेंड पर ही सालार ने 200 करोड़ क्लब में एंट्री कर ली। इसके बाद सालार को 300 करोड़ क्लब में भी एंट्री मिल गई, लेकिन 400 करोड़ तक पहुंचने में पसीने छूट गए। सालार के लेटेस्ट कलेक्शन की बात करें तो फिल्म अब बॉक्स ऑफिस पर रेंगने को मजबूर हो गई है। शुक्रवार को सालार ने महज 50 लाख का बिजनेस किया। वहीं, शनिवार को कलेक्शन 45 लाख रहा। ऐम्हग्त्व् की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने रविवार को 90 लाख कमाए। इसके साथ ही रिलीज के 24 दिनों में सालार ने डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर 403.85 करोड़ का नेट बिजनेस कर लिया है। सालार की लीड स्टार कास्ट में प्रभास के अलावा पृथ्वीराज सुकुमारन, श्रुति हासन, ईश्वरी राव, श्रिया रेड्डी, टीनू आनंद और जगपति बाबू शामिल है। फिल्म की कहानी खानसार के काल्पनिक शहर पर आधारित है और दो दोस्त देवा (प्रभास) और वर्धा (पृथ्वीराज) के इर्द-गिर्द घूमती है। सालार के बाद मेकर्स सालार 2 लाने की घोषणा की है, जिसका नाम सालारः पार्ट 2- शौर्यांग पर्व है।

चप्पल और लुंगी में वायरल हुआ प्रभास का लुक, सालार के बाद मकर संक्रांति पर 'द राजा साब' का एलान

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। प्रभास के खाते में एक के बाद एक फिल्में आती जा रही

है। भले बीते पिछले कुछ साल उनके लिए अच्छे नहीं रहे, लेकिन सालार ने उनके करियर में हिट के पड़े अकाल को दूर कर दिया है। इस बीच अब उन्होंने मकर संक्रांति पर अपनी अपकमिंग फिल्म 'द राजा साब' का एलान कर दिया है। सालार में प्रभास जमकर एक्शन करते हुए नजर आए थे। वहीं अब उन्होंने अपनी अगली रिलीज का एलान कर दिया है। इस फिल्म का नाम है द राजा साब। मंकर संक्रांति के मौके पर एक्टर ने फिल्म का एलान करते हुए फर्स्ट लुक जारी किया है। पोस्टर में एक्टर टी-शर्ट लुंगी और चप्पल पहने सड़क पर मस्ती में घूमते हुए नजर आ रहे हैं। प्रभास ने अपने फैंस को फेस्टिवल पर सरप्राइज दिया और अपकमिंग फिल्म का एलान किया। इसके साथ ही उनका लेटेस्ट लुक सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गया सालार में प्रभास जमकर एक्शन करते हुए नजर आए थे। वहीं, 'द राजा साब' में उनका लुक बिल्कुल अलग है। फिल्म के पोस्टर में एक्टर टी-शर्ट, लुंगी और चप्पल पहने सड़क पर घूमते हुए नजर आ रहे हैं। इस फेस्टिवल के सीजन पर 'द राजा साब' का फर्स्ट लुक जारी कर रहा हूं। आप सभी को ढेरों शुभकामनाएं सालार एक्टर प्रभास की अगली फिल्म 'द राजा साब' का डायरेक्शन साउथ के जाने- माने निर्देशक मारुति कर रहे हैं। उन्होंने फिल्म की कहानी भी लिखी है। वहीं, 'द राजा साब' का म्यूजिक नेशनल अवॉर्ड विनर थमन एस तैयार करेंगे। फिल्म के प्रोडक्शन की जिम्मेदारी टीजी विश्वा प्रसाद ने उठाई है। प्रभास के वर्क फ्रंट की बात करें तो साल 2024 में सालार के बाद उनकी अगली बड़ी रिलीज प्रोजेक्ट ख् है। इस फिल्म में प्रभास के साथ दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन और कमल हासन शामिल हैं। प्रोजेक्ट ख् का डायरेक्शन नाग अश्विन कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म की रिलीज डेट को पोस्टपोन किया गया है। अपडेट के अनुसार, प्रोजेक्ट ख् अब 9 मई, 2024 को दुनियाभर के थिएटर्स में रिलीज की जाएगी।

ओपी के संगीत निर्देशन में आशा भोसले की गायकी में निखार, दोनों ने दिए ये हिट गाने

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। 'लेके पहला पहला प्यार', 'कजरा मोहब्बत वाला' और 'आओ हुजूर तुमको सितारों में ले चलूं' जैसे अनगिनत सदाबहार गाने देने वाले ओंकार प्रसाद नैय्यर यानी ओपी नैय्यर की 16 जनवरी को बर्थ एनिवर्सरी है। साल 1926 में जन्में नैय्यर साहब के फिल्म इंडस्ट्री में कई किस्से मशहूर हैं। उन्हें आशा ताई को आशा भोसले बनाने का श्रेय दिया जाता है।एक समय था जब ओपी नैय्यर को बॉलीवुड इंडस्ट्री और संगीत की दुनिया का बादशाह कहा जाता था। उनके गाने और ताल ने फिल्मों में ऐसी छाप छोड़ी कि संगीत प्रेमी उनके आज भी मुरीद हैं। 16 जनवरी को ओपी नैय्यर की बर्थ एनिवर्सरी है। ओपी और आशा भोसले ने साथ में मिलकर कई फिल्मों के लिए काम किया।आशा भोसले और ओपी नैय्यर ने कई फिल्मों में एक साथ काम किया। दोनों के गानों का हिट कॉम्बिनेशन आज भी लोगों को काफी पसंद आता है। चलिए जानते हैं उनके हिट गाने और उनसे जुड़े दिलचस्प किस्से किसी वजह से ओपी नैय्यर की लता मंगेशकर से अनबन हो गई थी। ऐसे में उन्होंने उनके विकल्प के रूप में उनकी बहन आशा भोसले को ही खड़ा कर दिया था। आशा भोसले की गायकी में निखार ओपी के संगीत निर्देशन में आया था। ओपी के म्यूजिक डायरेक्शन का कमाल था कि आशा भोसले ने अपनी आवाज में एक से बढ़ कर एक हिट गाने गाए। लता मंगेशकर के बाद आशा भोसले दूसरे नंबर की फेमस गायिका बन गयी थीं। यहां देखें उनके कुछ फेमस गाने।ओपी नैय्यर को संगीत की दुनिया का बादशाह कहा जाता था। उनके संगीत और ताल ने फिल्मों में ऐसी छाप छोड़ी कि संगीत प्रेमी उनके आज भी मुरीद हैं। साल 1956 में आई फिल्म सीआईडी का गाना लेके पहला-पहला प्यार आज भी लोग गुनगुनाते हुए नजर आते हैं। इस गाने को शमशाद बेगम, आशा भोसले और मो रफी ने अपनी आवाज दी। वहीं, नैय्यर साहब ने इसका म्यूजिक दिया।साल 1957 में आई फिल्म 'नया दौर' का गाना 'रेशमी सलवार कुर्ता जाली का' को आशा भोसले और शमशाद बेगम ने गया था। इसको म्यूजिक ओपी नैय्यर ने दिया और इसके लिरिक्स साहिर लुधियानव ने लिखे थे।

थिएटर्स के बाद ओटीटी पर तांडव करेगी जूनियर एनटीआर जान्हवी कपूर की 'देवरा'

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। साल 2024 की मच अवेटेड फिल्मों में 'देवरा पार्ट 1' भी शामिल है। जूनियर एनटीआर की

इस फिल्म से जान्हवी कपूर तेलुगु सिनेमा में डेब्यू करने जा रही हैं। कोरताला शिव के निर्देशन में बनी 'देवरा पार्ट 1' की जब से अनाउंसमेंट हुई है, तब से दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर काफी एक्साइटमेंट देखने को मिल रही है जान्हवी कपूर और जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा पार्ट 1 इसी साल अप्रैल महीने में रिलीज हो रही है। थिएटर्स के बाद फिल्म को ओटीटी पर स्ट्रीम किया जाएगा। रिलीज से पहले ही मेकर्स ने रिवील कर दिया है कि देवरा किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक देगी। इस अनाउंसमेंट के बाद फैंस बेहद खुश हैं। जानिए इस बारे में। पिछले हफ्ते 'देवरा' का धमाकेदार टीजर जारी किया गया था, जिसमें एनटीआर का दमदार एक्शन देखा गया था। इस टीजर को अब तक 22 मिलियन लोगों ने देख लिया है। इस बात से ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि मूवी को लेकर लोगों में किस लेवल का क्रेज बना हुआ है। इस बीच मेकर्स ने फैंस को एक और खुशी दे दी है। पोंगल के मौके पर मेकर्स ने जान्हवी कपूर और जूनियर एनटीआर स्टारर फिल्म 'देवरा पार्ट 1' का इंतजार कर रहे फैंस को बड़ा सरप्राइज दिया है। मेकर्स ने रिवील कर दिया है कि फिल्म थिएटर्स के बाद किस ओटीटी पर दस्तक देगी। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स (नूर्ति) पर स्ट्रीम होने वाली है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।